RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 सारा अली खान लंदन में..।

वर्ष : 26 अंक : 07 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 28 दिसंबर, 2023 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रियंका गांधी का नाम दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का नाम प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) से जुड़े एक केस की चार्जशीट में दर्ज किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा और उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली के रहने वाले रियल एस्टेट एजेंट के जरिए हरियाणा में जमीनी खरीदीं। इस एजेंट ने एनआरआई बिजनेसमैन सीसी थम्पी को भी जमीनें बेचीं।

ईडी का कहना है कि वाड्रा और थम्पी के रिश्ते काफी लंबे हैं और दोनों एक जैसा व्यापार करने के अलावा भी कई काम मिलकर करते हैं। ये एक बड़ा मामला है, जो भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी से संबंधित है। भंडारी की मनी-लॉन्ड्रिंग, विदेशी मुद्रा और काले धन कानूनों के उल्लंघन और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कई एजेंसियां जांच कर रही है। वह 2016 में ही जांच एजेंसियों के डर की वजह से भारत छोड़कर ब्रिटेन भाग गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, थम्पी पर ब्रिटिश नागरिक सुमित चड्ढा के साथ मिलकर भंडारी को अपराध की कमाई छिपाने में मदद करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, ईडी ने इस मामले से जुड़े हुए पहले की चार्जशीट में थम्पी के करीबी सहयोगी के तौर पर रॉबर्ड वाड्रा का नाम लिया है। मगर ये पहली बार है कि अदालत में जमा किए गए आधिकारिक दस्तावेज में प्रियंका गांधी के नाम शामिल किया गया है।

चार्जशीट में जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि एचएल पहवा ने वाड्रा और थम्पी दोनों को जमीनें बेचीं। उसे हरियाणा में जमीन खरीदने के लिए बेनामी पैसा दिया गया और वाड्रा ने जमीन बिक्री के लिए पूरा पैसा नहीं दिया। पहवा ने 2006 में प्रियंका गांधी को खेती की जमीन बेची और फिर 2010 में उनसे वो जमीन वापस खरीद लिया। यहां गौर करने वाली बात ये है कि रॉबर्ट और प्रियंका को आरोपी नहीं बताया गया है। मगर थम्पी और वाड्रा के बीच संबंध दिखाने के लिए जमीन की खरीद-फरोख्त का जिक्र हुआ है।

संसद सुरक्षा चूक मामला

नीलम आजाद की याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सुरक्षा चूक मामले की आरोपी नीलम आजाद को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को हाईकोर्ट ने संसद घटना मामले की आरोपी नीलम ने जल्द सुनवाई की याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'मामले में ऐसी कोई इमरजेंसी नहीं है, इसे पहले से तय 3 जनवरी की तारीख को ही सुना जाएगा।' आरोपी नीलम आजाद ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया और आरोप लगाया कि उसकी पुलिस हिरासत अवैध है। क्योंकि निचली अदालत में सुनवाई के दौरान उसे बचाव करने के लिए पसंद के वकील से परामर्श लेने की अनुमति नहीं दी गई। याचिका में उसे उच्च न्यायालय के समक्ष पेश करने का निर्देश देने के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट जारी करने के (शेष पृष्ठ-4 पर)

योगी सरकार का बड़ा फैसला

अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग में शराब की ब्रिकी पर प्रतिबंध

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग में अब शराब बिक्री पर योगी सरकार ने पूरी तरह से बैन लगाने का ऐलान कर दिया है। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय से मुलाकात से बाद यह जानकारी साझा की।

आबकारी मंत्री ने बताया की अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र को पूरी तरह से मद्य निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया जाएगा। साथ ही 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित शराब की दुकानों को भी शिफ्ट किया जाएगा। बता दें 84 कोसी परिक्रमा मार्ग में अयोध्या के साथ-साथ फैजाबाद, बस्ती, अंबेडकरनगर और सुल्तानपुर का क्षेत्र भी आएगा, जहां पर शराब बिक्री पर रोक लगेगी। साथ ही वहां पर मौजूद शराब की दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा।

मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया की दुकानों को शिफ्ट करने के लिए आबकारी विभाग को निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद में डिप्टी रजिस्ट्रार के पद को मंजूरी

नोएडा (चेतना मंच)। शासन ने गौतमबुद्धनगर तथा गाजियाबाद में डिप्टी रजिस्ट्रार (फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिटस) का एक पद सृजित करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने रजिस्ट्रार (फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिटस) को पत्र लिखकर इस आशय की जानकारी दी। पत्र में कहा गया है कि राज्यपाल ने इस पद के लिए अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। उक्त पद की तैनाती उप वित्त एवं लेखा संवर्ग से की जाएगी। इसका कार्यालय जनपद गाजियाबाद में होगा। यहां पर गाजियाबाद तथा गौतमबुद्धनगर जनपदों का कार्य होगा। इस नये कार्यालय के लिए भवन की व्यवस्था करने तथा मेरठ स्थित कार्यालय से दो लिपिक भेजने की भी व्यवस्थ की जा रही है। वहीं एक कंप्यूटर सहायक भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस नये कार्यालय के लिए स्टेशनरी, कंप्यूटर तथा अन्य सामग्री की भी शीघ्र व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

मारपीट में घायल ऑटो चालक ने दम तोड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सवारी बैठाने के विवाद में बीते दिनों मारपीट में घायल हुए ऑटो चालक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। ऑटो चालक को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ग्राम विचोला जनपद बदायूं निवासी भुवनेश ने बीते दिनों रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने चचेरे भाई कुलदीप पुत्र नेपाल के साथ सूरजपुर चौराहे पर अपने टेंपो में सवारी बैठाने का इंतजार कर रहा था। इस दौरान वहां खड़ा एक अन्य टेंपो चालक उनके साथ सवारी बैठाने को लेकर गाली-गलौज करने लगा। इस बात को लेकर जब उन्होंने विरोध जताया तो ऑटो चालक ने अपने साथी के साथ मिलकर दोनों भाइयों के साथ मारपीट की। आरोपी ऑटो चालक जब वहां से भागने लगा तो कुलदीप (शेष पृष्ठ-4 पर)

कोंडली से बैरंग लौटा प्राधिकरण का दस्ता

नोएडा (चेतना मंच)। कोंडली गांव में अतिक्रमण हटाने के लिए नोएडा प्राधिकरण का दस्ता आज सुबह पहुंच गया। इसकी जानकारी मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण व किसान तोड़फोड़ का विरोध करने के लिए कोंडली पहुंच गए।

किसानों के विरोध के कारण दस्ते को बैरंग लौटना पड़ा। आज सुबह नोएडा प्राधिकरण का दस्ता 5 जेसीबी तथा डंपर लेकर भारी पुलिस बल के (शेष पृष्ठ-4 पर)

घर में घुसकर दबंगों ने मारपीट की व सामान फेंका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के खोदना खुर्द गांव में कुछ दबंगों ने एक घर में घुसकर महिला व बच्चों के साथ मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपियों ने घर का सामान तोड़फोड़ कर बाहर फेंक दिया। पीड़ित का आरोप है कि दबंग उसके मकान पर जबरन कब्जा करना चाह रहे हैं। इस कारण वह आए दिन उन्हें परेशान करते हैं। खोदना खुर्द निवासी इरशाद ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसने एक व्यक्ति से खोदना खुर्द गांव में मकान खरीदा था। वह पिछले एक वर्ष से यहां रह रहा था। बीते दिनों धर्मपाल उसका पुत्र मोहित तथा कई अन्य अज्ञात लोग उसकी गैर मौजूदगी में उसके घर का दरवाजा (शेष पृष्ठ-4 पर)

पांच लाख की रंगदारी न देने पर हिस्ट्रीशीटर ने किया जानलेवा हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। साकीपुर गांव में मकान का निर्माण कार्य करा रहे एक व्यक्ति से हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने 5 लाख रुपए की रंगदारी की मांग की। पैसे ना देने पर हिस्ट्रीशीटर ने अपने साथियों के साथ मिलकर निर्माण कार्य कर रहे व्यक्ति व उसके एडवोकेट भाई पर जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

ग्राम साकीपुर निवासी एडवोकेट कुलदीप सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते 27 दिसंबर की शाम को उसका छोटा भाई हरदीप अपने मकान पर निर्माण कार्य कर रहा था। इस दौरान गांव का हिस्ट्रीशीटर बदमाश कमल पुत्र बूंदी व यतीश पुत्र कमल मौके पर आए। कमल ने उनसे कहा कि वह क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर (शेष पृष्ठ-4 पर)

कंपनी के वेयरहाउस से लाखों का सामान चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर औद्योगिक एरिया स्थित ईस्ट इंडिया टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के वेयरहाउस से चोरों ने लाखों रुपए मूल्य का एक इलेक्ट्रॉनिक का सामान चोरी कर लिया। कंपनी के सीनियर मैनेजर ने दो कर्मचारियों पर चोरी का शक जताते हुए थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

ईस्ट इंडिया टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर मैनेजर इमरान खान ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उद्योग बिहार में उनकी कंपनी का वेयरहाउस है। बीते 19 दिसंबर की रात्रि को यहां से 420 पीस इसी के पास चोरी हो गए। चोरी की जानकारी मिलने पर जब छानबीन कराई गई तो पता चला कि वेयरहाउस का स्टोर कीपर सतीश कुमार (शेष पृष्ठ-4 पर)

मानसिक तनाव के चलते दो युवकों ने फांसी लगा कर दी जान

नोएडा (चेतना मंच)। मानसिक परेशानी के चलते अलग-अलग स्थान पर दो लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के पास से ही कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मूल रूप से बिहार निवासी मनोज पुत्र नारायण अपने परिवार के साथ मामूरा गांव में रह रहा था। शाम के समय उसकी पत्नी वह बच्चे किसी काम से बाहर चले गए थे। कुछ देर बाद जब वे वापस लौटे तो उन्हें मनोज फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। परिजनों ने उसे किसी तरह फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों से उसे मृत घोषित कर दिया। थाना फेस-3 प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मनोज पिछले कुछ समय से (शेष पृष्ठ-4 पर)

9 लाख रुपये हड़प लिये बैनामा भी नहीं किया

दबाव देने पर मारपीट, पांच के खिलाफ मामला दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक- 3 में एक व्यक्ति ने प्लॉट देने के नाम पर 9 लाख रुपए हड़पने के आरोप में दो महिलाओं सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि पैसे लेने के बावजूद भी आरोपियों ने उसके नाम प्लॉट का बैनामा नहीं किया। बैनामा करने के लिए कहने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने का प्रयास किया गया। आर्य नगर रेलवे कॉलोनी गाजियाबाद निवासी पंकज कुमार उसके जानकार बिट्टू कुमार व सोनिया प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में कहा कि वह ग्रेटर नोएडा में एक प्लॉट ले लें। इनकी बातों में आकर देखा उक्त प्लाट का सौदा 15 लाख रुपए में तय हुआ। पंकज कुमार के मुताबिक उसने विभिन्न तिथियां में आरोपियों को 900000 रूपये अदा कर दिए। इसके बाद अंजू, सोनिया, इंद्रसेन, बिट्टू व वीर सेन ने जल्द ही उक्त प्लाट का बैनामा उसके हक में करने की बात कही। पंकज कुमार के मुताबिक उसने जब (शेष पृष्ठ-4 पर)

एकाउंटेंट ने कंपनी को लगाया लाखों का चूना

नोएडा (चेतना मंच)। कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्यरत एकाउंटेंट ने कंपनी को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। अकाउंटेंट ने कंपनी के लाखों रुपए फर्जी तरीके से अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए और कैश भी लेकर फरार हो गया। कंस्ट्रक्शन कंपनी के डायरेक्टर ने आरोपी के खिलाफ

थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है। रत्याल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संजय शर्मा ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि लक्ष्मी नगर दिल्ली निवासी धनंजय कुमार उनके यहां पर अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत था। 18 सितंबर को उसने कंपनी के अकाउंट से 331 172 रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। यह पैसे शर्मा सीमेंट स्टोर को दिए जाने थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बाइक से टक्कर के बाद विवाद में जानलेवा हमला किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के ग्राम मंगरौली में जानबूझकर बाइक से टक्कर मारने का विरोध करना एक युवक को खासा महंगा पड़ा। बाइक सवार दबंग ने अपने परिजनों के साथ मिलकर पीड़ित युवक की लाठी डंडों से पिटाई कर उसे घायल कर दिया। इस संबंध में थाना जेवर में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम मंगरौली निवासी सुंदर सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते 26 दिसंबर की रात्रि को उसका भाई मुकुट लाल घर से अपने खेत पर खड़ी फसल में पानी लगाने जा रहा था। इस दौरान बाइक से आ रहे गांव के ही अमन नए मुकुट लाल को जानबूझकर टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मुकुट लाल घायल हो गया उसने जब इस बात का विरोध (शेष पृष्ठ-4 पर)

दो चोर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी बंद घरों का ताला तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपियों ने बीते दिनों रेलवे लाइन के पास लगी अर्थिंग वायर को भी चोरी कर लिया था। थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बीते दिनों एक व्यक्ति ने अपने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा गैस सिलेंडर, पानी की टंकी व अन्य सामान चोरी किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 2 दिन पूर्व रेलवे विभाग ने घोड़ी बछेड़ा गांव के पास से अर्थिंग केवल चोरी किए जाने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस दोनों ही मामलों की जांच पड़ताल कर रही थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना के (शेष पृष्ठ-4 पर)

किशोर समेत दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 क्षेत्र के नया गांव से खेलने के लिए गया (10 वर्षीय) बच्चा लापता हो गया। काफी तलाश करने पर भी बच्चे का कोई सुराग नहीं लगा। वहीं अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

नया गांव निवासी असलम ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते 25 दिसंबर को उसका (10 वर्षीय) बेटा असद घर से पार्क में खेलने के लिए गया था। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटा तो उसकी आसपास तलाश की गई। आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि शाम तक असद पार्क में खेल रहा था, लेकिन उसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। पीड़ित के मुताबिक उसने अपनी तमाम रिश्तेदारियों में भी असद के बारे में जानकारी जुटाई। लेकिन उसके बारे में कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर-20 के गांव से ट्यूशन के लिए घर से निकली छात्र संदीप परिस्थितियों में लापता हो गई। अट्टा गांव में रहने वाले रमेश कुमार शाह (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी (16 वर्षीय) बेटी सेक्टर-27 में ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी उसके बारे में कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में अपहरण का मामला दर्ज कराया है।

वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र के सुदेश कॉलोनी से किशोरी लापता हो गई। किशोरी के भाई ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा हॉट की पार्किंग से कई कारों के कीमती पार्ट्स चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-33ए स्थित नोएडाहाट की पार्किंग में खड़ी महिंद्रा की वेरिटो गाड़ियों से कीमती पार्टस चोरी हो गए। कंपनी के इंजीनियर ने थाना सेक्टर-24 में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजी कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत ध्रुव कुमार ने बताया कि उसकी कंपनी की 18 गाड़ियां बैटरी वाली गाड़ियों को कंपनी ने नोएडा की पार्किंग में करीब दो माह पहले खड़ा किया था। नोएडा पार्किंग के संचालकों द्वारा गेट पर लॉक लगाकर चाबी ऑफिस में रख ली गई थी। बीते दिनों जब वह पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को चेक करने के लिए पहुंचे तो कई गाड़ियों के पार्ट्स गायब मिले। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी विवेक श्रीवास्तव का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

ISHWAR PHYSIO CARE
At Home Physiotherapy for an Active Life
Physical Therapy for :
▸ Back & Neck Pain
▸ Arthritis
▸ Post Stroke
▸ Sports Injury
▸ Fracture Rehabilitation
▸ Joint Pain
▸ Pain Management Through Electro Therapy
Home Visit Only
Dr. Ankur Sharma (PT)
Up state medical council Registered (Lucknow)
+919990144473

राम मंदिर सियासी नहीं

अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का एक उदाहरण है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। 1989 से 2019 तक के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्रों में भाजपा इसे शामिल करती रही है। एक राजनीतिक दल सांस्कृतिक विकास और बदलाव की बातें नहीं करता, क्योंकि वे चुनावी मुद्दे नहीं आंके जाते। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, इस एक मुद्दे ने भाजपा को 2 सांसदों से 303 सांसदों तक की अप्रत्याशित छलांग लगाने की ताकत दी है। अन्य मुद्दों की भी भूमिकाएं रही हैं, लेकिन राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और ध्रुवीकरण, भाजपा के पक्ष में, पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। आस्थाएं कई और मुद्दों के प्रति भी हो सकती हैं। आस्थाएं अयोध्या, काशी और मथुरा तक ही सीमित क्यों हैं? भाजपा और संघ परिवार के छाया-चेहरे ही अदालतों में इन मुद्दों की लड़ाइयां लड़ रहे हैं। भाजपा माने अथवा न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा साबित होगा, लेकिन फिर भी राम मंदिर समारोह को पूरी तरह सियासी करार नहीं दिया जा सकता। गांव-गांव, घर-घर जाना, प्रभु राम की तस्वीर के साथ प्रसाद बांटना और अयोध्या में दर्शन करने आने के आमंत्रण और इन गतिविधियों के लिए संघ परिवार के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाने के अभिप्राय क्या हैं? जाहिर है कि रामत्व के जरिए हिंदुत्व के प्रसार का भी राजनीतिक लक्ष्य है। यह भाजपा का प्रचार-तंत्र भी है। यदि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कहते हैं कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है, भगवान राम की बाल्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है, तो उन्होंने पूर्णत: गलत नहीं कहा है। शंकराचार्य को कांग्रेस और भाजपा में बांट कर नहीं देखा जा सकता। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। पार्टी ने इसे 'संविधान-विरोधी' करार दिया है, क्योंकि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष भारत' की बात कही गई है। हम इस दलील को नहीं मानते। वैसे भी वामपंथी दल वैचारिक और मानसिक स्तर पर चीन के ज्यादा करीब रहे हैं। उन्होंने भारत-चीन युद्ध के दौरान भी देश का साथ नहीं दिया था। बहरहाल लोकतंत्र में राजनीति को खारिज नहीं किया जा सकता। राजनीति से आम आदमी भी जुड़ा है। यदि भगवान राम के दर्शनार्थ अथवा नया, भव्य मंदिर देखने देश भर से भक्तगण उमड़ते हैं, अयोध्या में भक्ति और भजन की तरंगें प्रवाहित होती हैं, यदि विरोधी राजनीति के नेतागण भी अपने 'आराध्य' के लिए अयोध्या मंदिर में जुटते हैं, तो उसे महज 'राजनीति' भी न कहा जाए। भक्ति, अध्यात्म, दर्शन, आस्था और राजनीति की परिभाषाएं भिन्न हैं। बेशक राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा का राजनीतिक विस्तार हुआ है। अन्य धर्मावलंबी, संप्रदाय, मत के लोग और समाज भी समारोह मनाते हैं। प्रधानमंत्री अपने आवास पर ईसाइयों को आमंत्रित करते हैं, ताकि ईसा मसीह की जयंती का समारोह मनाया जा सके। प्रधानमंत्री 'सिख साहबजादो' के बलिदान पर 'वीर बाल दिवस' आयोजन में भी शिरकत करते हैं। प्रधानमंत्री को हमने मस्जिद में भी देखा है। प्रधानमंत्री एक भक्त, आराधक के तौर पर 'हिंदू' भी हैं, लिहाजा सिर्फ मोदी-विरोधी सियासत के कारण राम मंदिर पर सवाल उठाना अथवा उसे 'सांप्रदायिक' करार देना तार्किक नहीं है। जिस तरह 1990 के दशक में अयोध्या की आड़ में राजनीति की गई, इस बार उस राजनीति से बचना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वही सर्वज्ञ है, वही तत्त्वज्ञ और पंडित है, वही गुणों का घर और अखंड विज्ञानवान? है, वही चतुर और सब सुलक्षणों से युक्त है, जिसका आपके चरण कमलों में प्रेम है।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-नाथ एक बर मागउँ राम कृपा करि देहु।
जन्म जन्म प्रभु पद कमल कबहुँ घटै जनि नेहु॥
जहे नाथ! हे श्री रामजी! मैं आपसे एक वर माँगता हूँ, कृपा करके दीजिए। प्रभु (आप) के चरणकमलों में मेरा प्रेम जन्म-जन्मांतर में भी कभी न घटे॥
अस कहि मुनि बसिष्ठ गृह आए। कृपासिंधु के मन अति भाए॥
हनूमान भरतादिक भ्राता। संग लिए सेवक सुखदाता॥
ऐसा कहकर मुनि वशिष्ठजी घर आए। वे कृपासागर श्री रामजी के मन को बहुत ही अच्छे लगे। तदनन्तर सेवकों को सुख देने वाले श्री रामजी ने हनुमान्जी तथा भरतजी आदि भाइयों को साथ लिया, ॥
पुनि कृपाल पुर बाहेर गए। गज रथ तुरग मगावत भए॥
देखि कृपा करि सकल सराहे। दिए उचित जिन्ह जिन्ह तेइ चाहे॥
और फिर कृपालु श्री रामजी नगर के बाहर गए और वहाँ उन्होंने हाथी, रथ और घोड़े मँगवाए। उन्हें देखकर कृपा करके प्रभु ने सबकी सराहना की और उनको जिस-जिसने चाहा, उस-उसको उचित जानकर दिया॥
हरन सकल श्रम प्रभु श्रम पाई। गए जहाँ सीतल अवँराई॥
भरत दीन्ह निज बसन डसाई। बैठे प्रभु सेवहिं सब भाई॥
संसार के सभी श्रमों को हरने वाले प्रभु ने (हाथी, घोड़े आदि बँटने में) श्रम का अनुभव किया और (श्रम मिटाने को) वहाँ गए जहाँ शीतल अमराई (आमों का बगीचा) थी। वहाँ भरतजी ने अपना वस्त्र बिछा दिया। प्रभु उस पर बैठ गए और सब भाई उनकी सेवा करने लगे॥
मारुतसुत तब मारुत करई। पुलक बपुष लोचन जल भरई॥
हनूमान सम नहिं बड़भागी। नहिं कोउ राम चरन अनुरागी॥
गिरिजा जासु प्रीति सेवकाई। बार बार प्रभु निज मुख गाई॥
उस समय पवनपुत्र हनुमानजी पवन (पंखा) करने लगे। उनका शरीर पुलकित हो गया और नेत्रों में (प्रेमाश्रुओं का) जल भर आया। (शिवजी कहने लगे-) हे गिरिजे! हनुमानजी के समान न तो कोई बड़भागी है और न कोई श्री रामजी के चरणों का प्रेमी ही है, जिनके प्रेम और सेवा की (स्वयं) प्रभु ने अपने श्रीमुख से बार-बार बड़ाई की है॥

क्रमश:

राजस्थान कांग्रेस में समाप्त हुआ गहलोत पायलट युग

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दोनों ही नेताओं को कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान की राजनीति से बाहर भेज दिया है। अब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में नए लोगों को आगे लाने की कवायद प्रारंभ हो गई है। पिछले लंबे समय से राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति अशोक गहलोत व सचिन पायलट के इर्द-गिर्द ही घूम रही थी। दोनों नेताओं में चल रही आपसी खींचतान के चलते राजस्थान में कांग्रेस को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। दोनों की अवादत के चलते ही राजस्थान में कांग्रेस सत्ता से भी बाहर हो चुकी है।

2018 में जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी थी और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तभी से गहलोत व पायलट के बीच खींचतान प्रारंभ हो गई थी। राजस्थान में दोनों बड़े नेता के अलग-अलग दो गुट बन गए थे। दोनों नेताओं की खींचतान के चलते स्थिति यहां तक खराब हो गई थी कि 2020 में सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर अपने समर्थक विधायकों को लेकर गुड़गांव चले गए थे।

उस समय सरकार बचाने के लिए अशोक गहलोत को विधायकों की होटलों में बाड़ेबंदी करनी पड़ी थी। करीबन दो महीने तक चली आपसी खींचतान के बाद कांग्रेस आलाकमान के प्रयासों से कांग्रेस के दोनों नेताओं के बीच शांति स्थापित हो पायी थी। मगर सचिन पायलट को बगावत के चलते उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद गंवाना पड़ा था। वही उनके समर्थक कई मंत्रियों को भी पदो से हटा दिया गया था। उस समय पायलट के पास विधायकों की संख्या कम रह गई थी। क्योंकि पायलट द्वारा की जा रही बगावत की जानकारी उनके ही कुछ विधायकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दे दी थी। मुख्यमंत्री गहलोत ने समय रहते पायलट गुट के कई विधायकों को अपने पाले में लाकर पायलट को राजनीतिक दृष्टि से कमजोर बना दिया था।

आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद पायलट समर्थक कुछ विधायकों को गहलोत सरकार में फिर से मंत्री बनाया गया था। मगर पायलट को कोई भी पद नहीं दिया गया था। पायलट की बगावत से लेकर विधानसभा चुनाव तक गहलोत व पायलट द्वारा लगातार एक दूसरे के खिलाफ बयान बाजी की जाती रही थी। 2022 को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के लिए 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाया था। जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे व अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था।

मगर अशोक गहलोत गुट के शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेंद्र राठौर ने विधायक दल की बैठक ही नहीं होने दी। धारीवाल ने अपने आवास पर विधायकों की समानान्तर बैठक आयोजित कर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा आहूत विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवा दिया था। जिस कारण से सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने से रह गए थे। उसी दौरान सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भी नामित किया था। मगर गहलोत ने मुख्यमंत्री पद जाने के डर से अध्यक्ष बनने से भी इंकार कर दिया था।

गहलोत व पायलट की आपसी लड़ाई में राजस्थान कांग्रेस को जितना नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई होना मुश्किल लगता है। दोनों ही नेताओं को प्रदेश की राजनीति से बाहर भेज दिया गया है। अशोक गहलोत को नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। जो लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न दलों से गठबंधन पर चर्चा करेगी। इस पांच सदस्यों वाली समिति का संयोजक पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक को बनाया गया है। जबकि समिति में अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद व मोहन प्रकाश को सदस्य बनाया गया है। नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनने के कारण अशोक गहलोत राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्त हो जाएंगे और उनके पास प्रदेश की राजनीति के लिए समय नहीं बचेगा।

इसी तरह सचिन पायलट को कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव बनाकर छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अब तक की सबसे करारी हार झेलनी पड़ी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पद गंवाना पड़ा है। वैसे भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास लोकसभा के मात्र दो ही सदस्य है। ऐसे में प्रदेश प्रभारी के नाते सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ में कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। छत्तीसगढ़ के प्रभारी बनने के बाद सचिन पायलट का भी राजस्थान की राजनीति से जुड़ाव काम हो जाएगा। उनका ज्यादा समय राजस्थान के बाहर ही बीतेगा।

2018 में जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी थी और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तभी से गहलोत व पायलट के बीच खींचतान प्रारंभ हो गई थी। राजस्थान में दोनों बड़े नेता के अलग-अलग दो गुट बन गए थे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी को पदमुक्त कर दिया है। बायतु क्षेत्र से मात्र 910 वोटो से जीते हरीश चौधरी गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व सांसद भी रह चुके हैं। ऐसे में चर्चा है कि हरीश चौधरी को प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अभी जाट समाज से गोविंद सिंह डोटासरा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष है। जिनका हटना तय माना जा रहा है। कांग्रेस के नवनिर्वाचित 69 विधायकों में सबसे अधिक संख्या जाट, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के विधायकों की है।

इसको देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष पद पर हरीश चौधरी व विधायक दल के नेता के पद पर आदिवासी समुदाय के महेंद्रजीत सिंह मालवी की नियुक्ति हो सकती है। महेंद्रजीत मालवीय अभी कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य है तथा लगातार विधायक का चुनाव जीत रहे हैं। गहलोत सरकार में भी वह कैबिनेट मंत्री थे। उनकी आदिवासी क्षेत्र में अच्छी पकड़ मानी जाती है। राजस्थान में अलवर से सांसद रहे भंवर जितेंद्र सिंह को भी कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव पद पर बरकरार रखा गया है।

अगले 6 महीने बाद लोकसभा के चुनाव होने हैं। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेश की सभी 25 सीटे जीत रही है। इस बार भी भाजपा के नेता प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से उनके कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। ऐसे में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कितनी सफलता प्राप्त कर पाती है इसका पता तो आने वाले चुनाव के बाद ही चल पाएगा।

मगर कांग्रेस का जो भी नया प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल का नेता बनेगा उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस को फिर से एकजुट कर पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने की रहेगी। जिसमें वो कितने सफल होंगे इसका पता तो बाद में ही लगेगा। फिलहाल तो यह देखना है कि कांग्रेस आलाकमान राजस्थान में चल रहे गहलोत पायलट गुट को कमजोर कर निर्विवाद छवि वाले नेताओं को कितना आगे बढ़ा पाता है इसका सभी को इंतजार हैं।

- रमेश सर्राफ धमोरा

खेत खलिहान के प्रयोगधर्मियों के नवाचारों को संरक्षण प्रोत्साहन आज की आवश्यकता

बदलते सिनेरियों में सरकार को अब विश्वविद्यालयों की बड़ी-बड़ी और संसाधनयुक्त प्रयोगशालाओं से अलग खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर अपनी मेहनत, नवाचारी, परंपरागत और आधुनिकतम खेती के बीच सामंजस्य बनाते हुए नित नए प्रयोग करने वाले प्रयोगधर्मी किसानों की मेहनत को मान्यता, संरक्षण और पहचान देने की पहल भी करनी होगी। इसमें कोई दो राय नहीं की देश के कृषि विश्वविद्यालयों में शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व स्तरीय कार्य हो रहा है और आज खेती किसानी के क्षेत्र में देश नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि के क्षेत्र में भारत आज अग्रणी देश बन गया है। हालात यह हो गए है कि आज गेहूं और धान के निर्यात पर रोक के बावजूद देश के किसानों की ही मेहनत का फल है कि बागवानी व अन्य कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाकर देश निर्यात के नए कीर्तिमान स्थापित करने की और अग्रसर है। पर यहां हमें यह नहीं भूलना होगा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण जहां गेहूं, धान आदि के उत्पादन के हालात सेचुरेशन वाले हो गये हैं वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने के साथ ही पानी का अत्यधिक दोहन, स्वास्थ्य और सेहत के लिए हानिकारक होता जा रहा है। आज देश जैविक व परंपरागत खेती की और बढ़ रहा है। हांलाकि यह भी उपलब्धि है कि दुनिया में हमारा सिक्किम दुनिया का पहले नंबर पर जैविक अनाज उत्पादक प्रदेश बन गया है। खैर इस सबके बीच हमें उन प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों को प्रोत्साहित और उनकी मेहनत को संरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए आगे आना होगा जो अपनी सीमित साधन, संसाधन और विपरीत वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद नई इबारत लिख रहे हैं। सही मायने में देखा जाये तो इन प्रयोगधर्मी अन्नदाताओं की मेहनत व लगन को किसी कृषि वैज्ञानिक से कम नहीं आका जा सकता।

देश के अनेक प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों में से अपनी खेती-अपना खाद, अपना बीज-अपना स्वाद को ध्येय बनाकर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के टड़िया गांव के किसान वैज्ञानिक श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी ऐसे ही देश कुछ गुणे चुने खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर जुटे हुए हैं। सच ही कहा गया है कि ईश्वर किसी ना किसी तरह से न्याय अवश्य करता है। इसी का जीता जागता उदाहरण श्रीप्रकाश रघुवंशी है। 23 साल की आयु में बीमारी के दौरान पेनिसिलिन की इंजेक्शन के दुष्प्रभाव से आंखों पर अधिक असर पड़ने के कारण आंखों की परेशानी के कारण खेत और खेती को ही प्रयोगशाला बनाकर श्रीप्रकाश ने जो नवाचार और प्रयोग किए आज उन्हें संरक्षित करने की अधिक आवश्यकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निकट भविष्य में श्रीप्रकाश को पूरी तरह से दिखाई देना बंद होने की संभावना के अहसास के डर से लग रहा है कि ऐसी विकट स्थिति आई तो कृषि क्षेत्र में उनकी शोध यात्रा थम जाएगी। उन्हें चिन्ता है कि गेहूं, अरहर, सरसों आदि की उनके द्वारा विकसित 'कुदरत' और करिश्मा प्रजाति के बीज और 200 प्रकार के देसी बीजों के खजाने का क्या होगा।

श्रीप्रकाश ने नित नए प्रयोग करते हुए 200 प्रकार की देशी वैरायटी के बीज विकसित किए हैं। इनमें गेहूं की 80 प्रजाति, धान की 20 प्रजाति, अरहर की 5 प्रजाति, सरसों की 3 प्रजाति सहित हमारी जलवायु और वातावरण में अच्छी, जल्दी पकने वाली देशी प्रजातियों को विकसित करने का अहम काम किया गया है। 'गेहूं कुदरत-9 और कुदरत-8 विश्वनाथ लम्बे बाली वाला होता है। एक बाली में 80-90 दाने होते हैं। तेज पानी, हवा से पौधा गिरता नहीं। उत्पादन क्षमता 25 से 30 क्विंटल प्रति एकड़ है। दाना मोटा, चमकदार और वजनदार होता होता है। खासबात यह है कि देश के कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे दावों को जांचा परखा गया है और गुणवत्ता पर खरे उतरे हैं। देश के कई हिस्सों में खासतौर से यूपी, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब हरियाणा आदि में 100, 50, 25 ग्राम के सैंपल्स उपलब्ध कराकर प्रयोग किया गया है और यह प्रयोग सफल रहा है। अब श्रीप्रकाश की चिंता यही है कि इन स्वदेशी बीजों का बैंक बन जाए तो इनका उपयोग, उत्पादन और संरक्षण का काम हो सकेगा। इसका लाभ अंततोगत्वा देश के कृषि क्षेत्र को ही मिलेगा।

श्रीप्रकाश के बहाने यहां चिंतनीय और विचारणीय हालात यह हो जाता है कि देश के ऐसे भूमि पुत्रों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाना ही प्रर्याप्त नहीं है। सम्मान अपने आपमें मायने रखता है पर इनकी मेहनत और प्रयोग को जब उपादेय माना जाता है तो उसके संरक्षण और संवर्द्धन किया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि केन्द्र व राज्य सरकार के कृषि मंत्रालयों को ऐसे नवाचारी, अपनी धुन में मस्त, मानव समाज और कृषि जगत के लिए किये जा रहे कार्यों को पहचान के साथ ही प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बल्कि होना तो यह चाहिए कि मंत्रालयों में एक अनुभाग ऐसा होना चाहिए जो केवल ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने, उन्हें सहयोग करने, आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराने और परीक्षण के बाद खरी उतरने वाले प्रयोगों को सरकार द्वारा अपने हाथ में लेकर आगे बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। आज किसानों को भ्रमण कराया जाता है। यदि ऐसे नवाचारी भूमिपुत्रों के खेत खलिहान का भ्रमण कराया जाता है, अनुभवों से रुबरु कराया जाता है तो यह अधिक लाभदायक होगा इसमें कोई संदेह नहीं किया जाना चाहिए। देखा जाए तो श्रीप्रकाश तो एक बहाना है हां यह अवश्य है कि उत्तर प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय को आगे आकर श्रीप्रकाश द्वारा 200 से अधिक किए गए 20 प्रजाति के बीज बैंक की स्थापना कर संरक्षित करने के लिए आगे आना चाहिए। श्रीप्रकाश के स्वास्थ्य की विपरीत परिस्थिति को देखते हुए संबल प्रदान करना चाहिए। यह केवल श्रीप्रकाश की ही बात नहीं हैं देश के हर कोने में इस तरह के कर्मयोगी मिल जाएंगे। मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के महेन्द्र मधुप ने इस तरह के कर्मयोगियों व उनके प्रयोगों को अन्वेषक किसान सहित अपनी पुस्तकों व अनवरत लेखकीय प्रयासों से सामने लाने की पहल की है। सरकार को इन्हें मान्यता देनी चाहिए। केवल पुरस्कारों से कुछ होने वाला नहीं हैं अपितु इनकी मेहनत के नवाचारों को विस्तारित किया जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार पहले जांचें परखें पर जांच परख के बाद जब उपयोगी सिद्ध होती है तो फिर सरकार को ऐसे प्रयोगों को आगे बढ़ाना चाहिए। भले ही विश्वविद्यालयों में अन्य पीठों की तरह इस तरह की नवाचारी प्रयोगधर्मी भूमि पुत्रों के लिए भी पीठ की स्थापना कर आगे आ सकती है। कोरोना के बाद विश्व में नए हालात आए हैं जलवायु परिवर्तन और तापमान में बढ़ोतरी के कारण नई परिस्थितियां सामने आ रही है। विश्व में आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चेताया जा रहा है। तब इस तरह की पहल की आवश्यकता और अधिक हो जाती है।

देश के अनेक प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों में से अपनी खेती-अपना खाद, अपना बीज-अपना स्वाद को ध्येय बनाकर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के टड़िया गांव के किसान वैज्ञानिक श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी ऐसे ही देश कुछ गुणे चुने खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर जुटे हुए हैं।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राशिफल

पौष कृष्ण-द्वितीया | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी। व्यापारिक दृष्टिकोण से कुछ नए अवसर दिख रहे हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
शारीरिक स्थिति बहुत अच्छी है। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी है। प्रेम के नए आयाम हो सकते हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड, छ, के, हो, हा)
ओजस्वी बने रहेंगे। समाज में आपका नाम होगा। आपका कद बढ़ेगा।

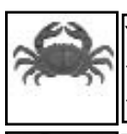

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में धीरे- धीरे सुधार शुरू होगा। प्रेम, संतान की स्थिति पहले से बेहतर है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। कुछ यात्रा के योग बनेंगे। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सरकारी तंत्र का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
यात्रा के योग बनेंगे। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
परिस्थितियां अभी प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार भी मध्यम है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। भरपूर इंजॉय करेंगे।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
नौकरी और कारोबार में वातावरण अनुकूल रहेगा। व्यापार में विस्तार के नए अवसर मिलेंगे। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
वाणिज्य कला के विद्यार्थी जो सीए इत्यादि करते हैं या मैथ्स पढ़ते हैं, उनके लिए सुअवसर। लेखकों, कवियों के लिए सुअवसर।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि लेकिन गृह-कलह के संकेत हैं। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

कलेक्ट्रेट में हुई सीएसआर निधि की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में सीएसआर निधि का जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण व पोषण पर व्यय करने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता सीएसआर निधि के उपभोग करने के लिए समिति गठित की गई और जनपद स्तरीय सीएसआर सेल की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद स्तरीय सीएसआर सेल के अधिकारियों एवं कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा कि सीएसआर निधि का प्रयोग जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण व पोषण पर अधिक से अधिक करने पर विशेष फोकस रखा जाए एवं कंपनियों के द्वारा सीएसआर के माध्यम से सरकारी स्कूलों के भी काया कल्प के कार्य अपनी आगामी वित्तीय वर्ष के कार्य योजना में रखें। इस समय क्या अति जरूरी है उस में सीएसआर फंड से जिलाधिकारी कार्यालय की प्राथमिकताओं को ध्यान में रख कर, कार्यालय को सूचित करते हुए करें।

जिला अधिकारी ने बताया कि अभी गौतमबुद्ध नगर की लगभग 110 ग्रामीण पाठशालाओं में फर्निशर की बहुत जरूरत है। इस कार्य हेतु 3.2 करोड की मदद की आवश्यकता है। इसी के मद्दे नजर आईआईए ग्रेटर नोएडा की और से चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल ने सभी आईआईए उद्यमियों की और से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। आशा है कि आईआईए इस परीक्षा में भी खरा उतरेगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों व आईआईए चैप्टर के चेयरमैन राकेश बंसल, जगदीश सिंह, प्रमोद गुप्ता, विकास शर्मा (सनप्लास्ट), गौरव मिंडा मौजूद रहे।

खेरली पहुंची भारत संकल्प यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकसित भारत संकल्प यात्रा कल दनकौर खेरली स्टेशन के गाँव बंजरपुर में पहुँची और वहाँ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल के माध्यम से जुड़े। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉक्टर योगेन्द्र उपाध्याय एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर रहे। इस मौके पर मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि यह सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंतोदय के विचार को साकार रूप देने का कार्य कर रही है हमारी सरकार की योजनाएं पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक लगातार पहुंच रही हैं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से विकसित भारत संकल्प यात्रा के संयोजक रवि जिन्दल जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र नागर, जगदीप नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, अमित शर्मा, कपिल गुर्जर, दिनेश भाटी, ओमकार भाटी, प्रधान प्रमोद बिजेंद्र प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

ड्रोन से किया उर्वरकों का छिड़काव

प्रयागराज (चेतना मंच)। कॉर्डेट फूलपुर द्वारा समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अंगीकृत ग्राम रुद्रपुर में इफको नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं सागरिका का पर्णीय छिड़काव आलू एवं गेहूं की फसलों पर कराया गया। इस दौरान कृषक आशुतोष तिवारी के आलू की फसल, समर बहादुर यादव के गेहूं की फसल एवं अखिलेश यादव के आलू की फसल पर नैनो उर्वरकों एवं सागरिका का छिड़काव ड्रोन के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को इफको नैनो उर्वरकों के प्रयोग की जानकारी दी गई। इस अवसर पर राजबहादुर यादव, दीनानाथ पाल, जगदीश यादव, चंदन, सचिन, शुभम, संतोष यादव सहित कई कृषक के साथ कॉर्डेट फूलपुर के मुकेश तिवारी, ड्रोन पायलट आयुष कुमार, आशीष मौर्य, संजना पाल उपस्थिति रहे। कृषक अखिलेश यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाजपा को फिर मिलेगा प्रचण्ड बहुमत : बेवन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकसित भारत संकल्प यात्रा में जुट रही भीड़ से यह स्पष्ट हो गया है कि आगामी 2024 में होने वाले आम लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से केंद्र में प्रचण्ड बहुमत के साथ सरकार बनाने का काम करेगी। यह दवा भाजपा नेत्री श्रीमती बेवन नागर ने एक बातचीत के दौरान किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में शुरू की गई। भारत विकसित संकल्प यात्रा में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह यात्रा प्रारंभ की है।

उन्होंने कहा की यात्रा हर गांव गांव में जा रही है जहां पार्टी कार्यकर्ता एवं अन्य जनमानस के लोग भव्य स्वागत कर रहे हैं। श्रीमती नागर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर से केंद्र में प्रचण्ड बहुमत के साथ सरकार बनाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि तीन राज्यों में मिली पार्टी को प्रचंड जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो देश एवं प्रदेश का सर्वांगीण विकास कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केवल देश को गर्त में ले जाने का काम किया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा केवल आरोप लगाकर लोगों को भ्रमित करने का काम कर रही है।

जेल प्रीमियर लीग में खेले गए 3 मैच

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेलर जे पी तिवारी ने बताया कि कल जिला कारागार में चल रही जेल प्रीमियर लीग में तीन मैच खेले गए।

जिसमें पहला मैच फाइटर इलेवन व जेल पैंथर्स के बीच खेला गया जिसमें फाइटर इलेवन ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। दूसरा मैच जेल बारियर्स व नोएडा लॉईन के बीच खेला गया जिसमें 26 रन से जेल वॉरियर्स ने जीत हासिल करी। तीसरा मैच राइटर सुपरकिंग्स व जेल टाइटन के बीच खेला गया जिसमें राइटर सुपरकिंग्स ने 6 विकेट से जीत हासिल करी।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक अरुण प्रताप सिंह जेलर जितेंद्र प्रताप तिवारी, राजीव कुमार सिंह डिप्टी जेलर मुकेश प्रकाश, राम प्रकाश शुक्ला, व मनोरमा सिंह आदि उपस्थित थे।

फूलपुर में आपातकाल योजना का हुआ मॉकड्रिल

प्रयागराज (चेतना मंच)। इफको फूलपुर इकाई में आनसाइट इमरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) किया गया। इस दौरान अमोनिया स्टोरेज टैंक 2103 एफ के कंट्रोल वाल्व ईवीएम 3501 के अपस्ट्रीम आइसोलेशन वाल्व के डाउनस्ट्रीम फ्लैंज से अमोनिया रिसाव जैसी स्थिति पैदा की गई। पहले रिसाव आरंभ हुआ उसके बाद अग्निशमन दल ने अमोनिया रिसाव को नियंत्रित करने का प्रयास किया एवं बचाव दल ने घायलों को अस्पताल पहुँचाया। इसके पश्चात स्थानीय प्रशासन व इफको प्रबंधन एवं समस्त विभागाध्यक्षों के साथ ऑनसाइट इमरजेंसी प्लान की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने इस तरह के मॉक ड्रिल को जरूरी बताया एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल को और मजबूत करने के निर्देश सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को दिये।

इस दौरान अग्निशमन विभाग (इफको), स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन विभाग उत्तर प्रदेश, सुरक्षा विभाग की टीमों ने पूर्वाभ्यास में सहयोग किया। पूर्वाभ्यास में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया,अग्निशमन स्टेशन सोरांव प्रभारी रमई राम, महाप्रबंधक संजय वैश्य व एम.डी.मिश्र, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः संजय भंडारी, डॉ अनीता मिश्रा, रत्नेश कुमार, अरूण कुमार, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, उपमहाप्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा पी.के.वर्मा, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी ,चिकित्सा अधिकारी सत्य प्रकाश, जनसम्पर्क अधिकारी सोनू तिवारी, मुख्य प्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा संजीव कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल दिनेश सिंह, सतर्कता अधिकारी अजय मिश्र एवं सम्बंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भाकियू (अंबावता) ने नवनियुक्त प्रभारी का किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) संगठन के दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपबास ने जारचा के नवनियुक्त प्रभारी सुनील कुमार बंसल का पगड़ी बांधकर उनका स्वागत किया। इस दौरान अमित पायला, तहसील उपाध्यक्ष हरेंद्र कुमार, सुनील कुमार, अशोक, सतीश कुमार, सागर आदि मौजूद थे।

शव लेकर पश्चिम बंगाल जा रही एंबुलेंस हुई हादसे का शिकार, छह लोग घायल

मथुरा (एजेंसी)। यमुना एक्सप्रेस वे पर कोहरे में दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार की रात दिल्ली से शव लेकर पश्चिम बंगाल जा रही एंबुलेंस में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में चालक समेत छह लोग घायल हो गए। जिनमें दो लोगों की हालत चिंताजनक बताई गई है।

पश्चिम बंगाल के जिला उत्तर दिनाजपुर के कस्बा ईटाहार निवासी मोसिन अली अपने किसी स्वजन के शव को बुधवार रात दिल्ली से एक एंबुलेंस में यमुना एक्सप्रेस वे पर होकर अपने घर ले जा रहे थे। उनके साथ बेटा मूसा के अलावा शाहनूर, राहुल और तुलमबीबी जा रहे थे।

एंबुलेंस को चालक अरुण कुमार निवासी गांव भानोली थाना लोधा अलीगढ़ चला रहा था। थाना सुरीर क्षेत्र में माइल स्टोन 86 के समीप रात करीब दो बजे घना कोहरा में दृश्यता कम होने से पीछे आ रहे अज्ञात वाहन ने एंबुलेंस में टक्कर मार दी। जिससे एंबुलेंस में सवार चालक समेत सभी लोग घायल हो गए और मदद को चीख पुकार मचाने लगे। दुर्घटना की सूचना पर टोल चौकी पुलिस और एक्सप्रेस वे के रेस्क्यू कर्मी पहुंच गए। एंबुलेंस में फंसे घायलों को बाहर निकाल कर जेपी ग्रुप की एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। क्षतिग्रस्त एंबुलेंस को उसमें रखे शव के साथ सड़क से हटवा कर आवागमन सुचारू करा दिया। टोल चौकी इंचार्ज धीरज कुमार ने बताया कि दुर्घटना में घायल मोसिन अली और उनके बेटे मूसा की हालत चिंताजनक बताई गई है।

लवेरिया वाले पत्रों से डरकर शादी करेंगे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

नोएडा (चेतना मंच)। बाबा बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जल्दी ही शादी कर लेंगे। उन्होंने शादी करने की घोषणा बाबा बागेश्वर धाम में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में की है। दरअसल बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों 'आई लव यू' वाले 'लवेरिया' भरे प्रेम पत्रों से परेशान हैं। उनका कहना है कि उन्हें रोजाना दर्जनों अजीब-अजीब किस्म के प्रेम-पत्र आते हैं। प्रेम पत्र (लव-लेटर) को बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 'लवेरिया' कहते हैं।

कर दी शादी की घोषणा

आपको बता दें कि बाबा बागेश्वर धाम के दरबार हॉल में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने जल्दी ही विवाह करने की घोषणा कर दी। बाबा बागेश्वर धाम वाले शास्त्री जी के नाम से प्रसिद्ध धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वें इन दिनों 'लवेरिया' वाले पत्रों से परेशान हैं। प्रतिदिन ढ़ेर सारे इमोशनल पत्र आते हैं। 'आई लव यू' लिखे हुए इन पत्रों में अजीब-अजीब किस्म की बात लिखी होती है। इन लवेरिया वाले पत्रों से परेशान होकर उन्होंने विवाह का सेहरा बांधने का फैसला कर लिया है। बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से जब उनकी होने वाली दुल्हन के विषय में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में माता-पिता की मर्जी से विवाह करने की व्यवस्था है। हम सनातन धर्म के पक्के अनुयाई हैं इस कारण माता-पिता जिस कन्या से कहेंगे हम उसी कन्या से विवाह कर लेंगे। बाबा बागेश्वर धाम वाले शास्त्री जी ने जोर देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में कई प्रकार के खतरे होते हैं। आजकल उन्हें सबसे बड़ा खतरा तो 'लवेरिया' वाले पत्रों से हो गया है। इन पत्रों में ऐसा लिखा जाता है कि यदि वे उसके (लड़की) के घर बारात लेकर नहीं आएंगे तो वह आत्महत्या कर लेंगी। बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने यह भी बताया कि इस विषय में उन्होंने एक वीडियो बनाकर भी सोशल मीडिया पर अपील जारी की है कि उस अपील में उन्होंने सभी से अपील की है कि वे लवेरिया वाले पत्र लिखने तथा कोई भी उल्टी-सीधी हरकत करने से बात आ जाएं। प्रेस कांफ्रेंस के बाद अब यह चर्चा तेज हो गयी है कि बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की दुल्हन कौन कन्या बनेगी ?

कौन है पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

भारत के प्रमुख प्रदेश मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपद के गढ़ा नामक गांव में एक प्रसिद्ध धर्म स्थल है। इस धर्म स्थल का नाम बाबा बागेश्वर धाम है। बाबा बागेश्वर धाम हनुमान बजरंग बली की एक प्रसिद्ध पूजा स्थली है। इसी बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर हैं। पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री। पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बाबा बागेश्वर धाम वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध हैं। वें भगवन राम की कथा का वाचन करते हैं तथा दिव्य दरबार के नाम से एक अनोखा धार्मिक अनुष्ठान भी करते हैं।

दावा किया जाता है कि दिव्य दरबार के दौरान बाबा बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री किसी को भी जाने पहचाने बिना बाकायदा उसके भविष्य का पर्चा लिखकर दे देते हैं। नागपुर में स्थित अंधविश्वास उन्मूलन समिति के अध्यक्ष श्याम मानव ने यह आरोप लगाया था कि पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री अंधविश्वास फैलाने का काम करते हैं। बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने इस आरोप का जोरदार खंडन किया था। समिति व बाबा के बीच चला यह विवाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उस समय से बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री सनातन धर्म की रक्षा का दावा करने वाले संत के रूप में प्रसिद्ध हो गए। कहा यह भी जाता है कि बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) व राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरआरएस) का संरक्षण प्राप्त है। बीजेप तथा आरएसएस के कार्यकर्ता ही बाबा बागेश्वर धाम के प्रचार-प्रसार का काम करते है। माना जाता है कि इस प्रकार-प्रसार के बदले बाबा चुनाव में बीजेपी की मदद करते हैं। बाबा बागेश्वर धाम वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का दावा है कि उनके ऊपर हनुमान बजरंग बली की विशेष कृपा है। उसी कृपा से हनुमान जी उन्हें सबकुछ बताते हैं। हनुमान जी जो उन्हें बताते हैं वही बात वह जनता को बता देते हैं। अब बाबा बागेश्वर धाम वाले शास्त्री जी द्वारा विवाह करने की घोषणा से उनकी दुल्हन व विवाह की तारीख को लेकर चर्चा तेज हो गयी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद शफफीक (Md Shaffique) पुत्र मो किबरिया (Md Kibria) फ्लैट नंबर- 2324 टावर ट्यूलिप एस. के. ए. ग्रीनार्च सेक्टर-16B, ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम मोहम्मद शफीक (Md Shafique) की जगह मोहम्मद शफफीक (Md Shaffique) हो गया है। मोहम्मद शफफीक और मोहम्मद शफीक दोनों मेरे ही नाम है। भविष्य में मुझे मोहम्मद शफीक (Md Shafique) के नाम से जाना जाए।

शेयरिंग सेशन गोष्ठी आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चैप्टर कार्यालय में एक नॉलेज शेयरिंग सेशन गोष्ठी का आयोजन हुआ। रमेश कुमार ने बताया कि उद्योगों में जो भी नोटिसेस विद्युत सुरक्षा कंप्लायंस के संबंध में आ रहे हैं उनसे विचलित न हों , निवेश मित्र पोर्टल पर फीस भर कर एनओसी का रिन्यूअल करा लें , इसमें कोई भी निरीक्षक आता है तो उसका विभागीय पहचान सुनिचित करते हुए उसे जानकारी साझा करें , आगुंतक निरीक्षक का सत्यापन महोदय से कर सकते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे G20

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **वरि. मण्डल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), उत्तर मध्य रेलवे, आगरा** द्वारा खुली निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	निविदा संख्या	अनुमानित लागत (₹)	धरोहर राशि (₹)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	AGCTRDT202310	8671965.40	173400/-	12 माह

कार्य का नामः आगरा मंडल के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभिन्न स्टेशनों के प्लेटफार्मों के मोडीफिकेशन के कारण ओ.एच.ई. में मोडीफिकेशन का कार्य।

1. निविदा पत्र भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर देखा व भरा जा सकता है। 2. निविदा पत्र सिर्फ भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर दि. 17.01.2024 को 15.00 hrs. तक भरा जा सकता है। 2108/23 FA

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना सं० 05HQWORKS 2023 दिनांक 26.12.2023

प्रमुख मुख्य इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए "खुली निविदा" ई निविदा के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते है जो दिनांक 29.01.2024 को 15.00 बजे बन्द कर दी जायेगी। **क्रम सं0 : 1. कार्य का विवरण :** आरडीएसओ के नवीनतम विनिर्देशों के अनुसार एफबीडब्ल्यूपी/गोंडा/ एन.ई. रेलवे पर मौजूदा रेल फ्लैश बट वेल्डिंग मशीन, स्ट्रिपिंग मशीन, डिजिटल माप प्रणाली के साथ प्री और पोस्ट स्ट्रेटनिंग प्रेस, मौजूदा मैनुअल सफाई इकाई के स्थान पर ऑटो सफाई इकाई सहित स्टेशनरी फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट का उन्नयन/प्रतिस्थापन का प्रावधान एवं अन्य कार्य इत्यादि। **मात्रा :** As per Schedule **अनुमानित लागत (रु0) :** 26.06 करोड़ (रु0 छब्बीस करोड़ छःलाख) **बयाना राशि (रु0) :** रु0 14,53,400/– (चौदह लाख तिरपन हजार चार सौ मात्र) **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु0 0.00 **कार्य समापन अवधि :** 12 (बारह) माह **1.** वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि दिनांक **26.12.2023 2.** निविदा बन्द होने की तिथि /समय दिनांक 29.01.2024 को 15:00 बजे **3.** विस्तृत निविदा सूचना, अर्हता शर्ते एवं अन्य शर्तें वेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **4.** यदि किसी प्रकार की वेबसाइट परेशानी होती है तो IREPS से संपर्क कर सकते है अथवा नीचे उल्लिखित अधिकारियों से सम्पर्क किया जाय। अधिशाषी इंजीनियर/रेलपथ 9794840233 सी०से० इंजी०/कम्प्यूटर – 9794840282

(अधिशाषी इंजीनियर/रेलपथ)
मुजाधि/डबलू–475 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

न्यू ईयर पर नोएडा में रहेगा रूट डायवर्जन

नोएडा (चेतना मंच)। 31 दिसंबर को नववर्ष की पूर्व संध्या पर यदि आप न्यू ईयर की पार्टी सेलिब्रेट करने के लिए अपने घर से बाहर निकल रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने न्यू ईयर से पहले नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई चौक चौराहों पर रूट डायवर्ट करने का प्लान बनाया है। नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने न्यू ईयर से पूर्व ट्रैफिक अलर्ट जारी किया है।

आपको बता दें कि नए साल के स्वागत के लिए आयोजित पार्टियों में जुटने वाली भीड़ और वाहनों की संख्या को देखते हुए नोएडा की ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक अलर्ट जारी किया है। 31 दिसंबर की शाम 4 बजे से ट्रैफिक प्लान लागू हो जाएगा और देर रात कार्यक्रमों की समाप्ति तक लागू रहेगा। सेक्टर-18 व आसपास के मॉल और पब में आने वाले लोग अपने वाहन सेक्टर-18 मल्टीलेवल पार्किंग में खड़ी कर सकेंगे। अट्टापीर चौक से होकर एचडीएफसी बैंक कट से मल्टीलेवल पार्किंग में प्रवेश कर सकेंगे।

- नववर्ष के उपलक्ष्य में आने वाले वाहन चालक अपना वाहन सैक्टर-18 मल्टीलेवल पार्किंग में पार्क कर जा सकेंगे।
- अट्टापीर चौक से होकर आने वाले वाहन एचडीएफसी बैंक कट से मल्टीलेवल पार्किंग में जा सकेंगे।
- नर्सरी तिराहा से अट्टा चौक/मेट्रो स्टेशन सेक्टर-18 की ओर व मेट्रो स्टेशन सेक्टर-18 से अट्टापीर की ओर जाने वाले मार्ग को नो-पार्किंग क्षेत्र बनाया गया है, नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खडा करने पर ई-चालान/ प्रवर्तन/ टाईंग की कार्यवाही की जायेगी।
- गुरूद्वारा सेक्टर-18 के आगे एफओबी से पहले व बाद में सेक्टर 18 में जाने वाले दोनों कटों को बन्द किया जायेगा।
- मेट्रो सेक्टर-18 के नीचे से सैक्टर-18 की ओर जाने वाले मार्ग को बन्द किया जायेगा, इस कट से सेक्टर-18 से निकलने वाले वाहनों के लिए ही खोला जायेगा।
- सेक्टर-18 मुजायक होटल के दोनों ओर बने कटों को बन्द रखा जायेगा, इन कटों को सैक्टर-18 से निकलने वाले वाहनो के लिए ही खोला जायेगा।
- रेडिसन तिराहा से मल्टीलेवल पार्किंग की ओर वाहन जा सकेंगे, वाहन चालक मल्टीलेवल पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर गन्तव्य को जा सकेंगे।
- सोमदत्त टावर से सेक्टर-18 चौकी की तरफ कोई वाहन नहीं जाने दिया जायेगा, वाहन चालक सोमदत्त टावर के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर गन्तव्य को जा सकेंगें।
- आवश्यकता पडने पर सेक्टर-17,18 नलकूप तिराहा से नर्सरी तिराहा की ओर मार्ग बन्द किया जायेगा।
- एचडीएफसी बैंक के निकट कबाब फैक्ट्री से मल्टीलेवल पार्किंग में वाहन जा सकेंगे। सोमदत्त टावर से इबोनी चौक की ओर कोई वाहन नही जाने दिया जायेगा।
- सेक्टर-18 बिजलीघर तिराहा से सेक्टर-18 की ओर कोई वाहन नहीं जाने दिया जायेगा। इस मार्ग को केवल सेक्टर-18 से बाहर निकलने वाले वाहनों के लिए ही खोला जायेगा।
- समय 16:00 बजे से रात्रि कार्यक्रम समाप्ति तक सेक्टर-18 में डायवर्जन लागू किया जायेगा।
- नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- सेक्टर 37 की ओर से आकर जीआईपी/गार्डन गलेरिया मॉल के अन्दर बनी पार्किंग में वाहन खडा कर जा सकेंगे।
- जीआईपी/गार्डन गलेरिया मॉल के सामने नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खडा करने पर ई-चालान/प्रवर्तन/टाईंग की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- वाहन चालक लॉजिक्स मॉल पर निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन खडा कर जा सकेंगे।
- लॉजिक्स मॉल के सामने यातायात की अधिकता होने पर लॉजिक्स तिराहा से सैक्टर 31.25 चौक की ओर यातायात का डायवर्जन किया जायेगा।
- लॉजिक्स मॉल के सामने नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खडा करने पर ई-चालान/प्रवर्तन/टाईंग की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- वाहन चालक निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन खडा कर जा सकेंगे।
- स्काई वन व स्टर्लिंग मॉल के सामने यातायात की अधिकता होने पर हाजीपुर चौक व लोटस ब्लू वर्ड तिराहा से यातायात का डायवर्जन किया जायेगा।
- स्काई वन व स्टर्लिंग मॉल के सामने नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खडा करने पर ई-चालान/प्रवर्तन/टाईंग की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- वाहन चालक एडवान्ट नेविस बिजनेस पार्क में स्थित पार्किंग में वाहन खडा कर जा सकेंगे।
- एडवान्ट नेविस बिजनेस पार्क के सामने नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खडा करने पर ई-चालान/प्रवर्तन/टाईंग की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- वाहन चालक किसान चौक के आस-पास स्थित मॉल के अन्दर पार्किंग में वाहन पार्क कर जा सकेंगे।
- सार्वजनिक मार्ग पर नो-पार्किंग में वाहन खडा पाये जाने पर नियमानुसार प्रवर्तन/सीज/टाईंग की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- जगतफार्म मार्किट में आने वाले वाहन चालक निर्धारित पार्किंग में वाहन खडा कर जा सकेंगे।
- सार्वजनिक मार्ग पर नो-पार्किंग में वाहन खडा पाये जाने पर नियमानुसार प्रवर्तन/सीज की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- वाहन चालक परीचौक के आस-पास स्थित अंसल/वेनिस मॉल के अन्दर पार्किंग में वाहन पार्क कर जा सकेंगे।
- सार्वजनिक मार्ग पर नो-पार्किंग में वाहन खडा पाये जाने पर नियमानुसार प्रवर्तन/सीज की कार्यवाही की जायेगी। नशीला/मादक द्रव्य का सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध ब्रेथ एनालाईजर से नियमानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जायेगी।
- अंसल मॉल में आने वाले वाहन चालक सर्विस रोड का प्रयोग कर जा सकेंगे।
- परीचौक पर यातायात दबाव अधिक होने पर अल्फा गोलचक्कर एवं पी-03 गोलचक्कर से यातायात डायवर्ट किया जायेगा।
- बाजारों, मॉल इत्यादि में आने वाले वाहन चालक सार्वजनिक मार्ग पर वाहन खडा न कर निर्धारित पार्किंग स्थल पर अपने वाहन पार्क करे। यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्प लाइन नम्बर-9971009001 पर सम्पर्क कर सकते है। कृपया असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करे।

बेटी के ससुराल पहुंचे पिता व परिजनों को ससुरालियों ने पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घरेलू विवाद का निपटारा करने के लिए बेटी के ससुराल पहुंचे परिजनों के साथ दामाद ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर घायल कर दिया। इस संबंध में पीड़िता ने थाना जारचा में अपने पति, सास व पड़ोसियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

मूल रूप से खुर्जा बुलंदशहर निवासी कामिनी (काल्पनिक नाम) ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसकी शादी 9 दिसंबर 2022 को ग्राम चोना नगला निवासी सुनील शर्मा के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति सुनील शर्मा तथा साथ सरिता देवी ने उसके साथ दहेज को लेकर मारपीट की घटनाएं करनी शुरू कर दी थी। मां-बेटा दोनों मिलकर उसे मामूली बात पर मारते-पीटते और प्रताड़ित करते थे।

कामिनी के मुताबिक लोक लाज के कारण उसने किसी से भी अपने साथ हो रही प्रताड़ना का जिक्र नहीं किया। बीते 25 दिसंबर की रात को उसके पति सुनील शर्मा तथा सास सरिता देवी ने बेवजह उसके साथ जमकर मारपीट की। रोज-रोज की मारपीट से परेशान आकर उसने इस बात की जानकारी अपने परिजनों को दी। 26 दिसंबर को उसके पिता गोपाल शर्मा, मौसी मनीषा, सुनील शर्मा उसके ससुराल पहुंचे और सुनील शर्मा से बातचीत करने लगे। इस दौरान सुनील शर्मा ने पड़ोसी दीपक प्रिंस व कालू को घर में बुला लिया। सुनील शर्मा ने पड़ोसी के साथ मिलकर गोपाल शर्मा मनीष व सुनील शर्मा के साथ लात-घूसों व लाठी डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच बचाव किया। इसके बाद सुनील शर्मा उसके साथ ही जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

कामिनी के मुताबिक उसके ताऊ को गंभीर चोटे आई हैं जिन्हें उपचार के लिए अलीगढ़ मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गृह स्वामी को बेहोश कर नौकर सामान लेकर चम्पत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-78 स्थित महागुन मॉडर्न नोएडा सोसाइटी में एक घरेलू सहायक अपने गृह स्वामी को बेहोश करने के बाद पर्स व अन्य सामान लेकर फरार हो गया। गृह स्वामी को गंभीर स्थिति में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों की शिकायत पर थाना सेक्टर-113 पुलिस ने घरेलू सहायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इशिता राज ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसके विनीत तथा उसके भाई-भाभी एवं मां के साथ सेक्टर-78 स्थित महागुन मॉडर्न सोसाइटी में रह रहे हैं। बीते 27 दिसंबर को उसकी मां उसके घर आई थी। घर पर उनके पिता राजकुमार तथा घरेलू सहायक गुड्डू थे। शाम के समय पड़ोसी ने फोन कर बताया कि उनके पिता घर में बेहोश पड़े हुए हैं। इसके पश्चात वह अपनी मां को लेकर भाई के घर पहुंची जहां जमीन पर उसके पिता बेहोश पड़े हुए थे और उनकी नाक से खून बह रहा था। इसके अलावा उनके शरीर पर भी चोट के निशान थे। घर से घरेलू सहायक गुड्डू लापता था। इशिता राज ने बताया कि उन्होंने तुरंत अपने पिता राजकुमार को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि घरेलू सहायक गुड्डू घर से उनकी मां का पर्स तथा अपने सामान लेकर फरार हुआ है। थाना प्रभारी के मुताबिक पीड़िता की शिकायत पर घरेलू सहायिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी तेज

गोरखपुर। अयोध्या 22 जनवरी को इतिहास रचने जा रहा है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम होने जा रहा है और इसके लिए तैयारियां तेज हो गई है। न सिर्फ अयोध्या बल्कि गोरखपुर में भी इसको लेकर तैयारी हो रही है। अयोध्या में मेहमानों के विमान को उतरने की जगह कम पड़ी तो गोरखपुर और कुशीनगर हवाई अड्डों पर भी उनकी पार्किंग कराई जा सकती है। 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के लोकार्पण की तैयारी को लेकर आदेश आने के बाद दोनों हवाई अड्डों को स्टैंड बाय में रखा गया है। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर का लोकार्पण होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसमें देश ही नहीं, विदेश से भी लोग शामिल होने के लिए आने वाले हैं। भीड़ को देखते हुए फैसला लिया गया है कि अगर अतिथियों के निजी विमानों की संख्या ज्यादा हुई तो मेहमानों को अयोध्या में उतारने के बाद विमानों को कुशीनगर और गोरखपुर एयरपोर्ट पर खड़ा कराया जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष....

नीलम आजाद...

साथ 'उसे स्वतंत्र करने' का आदेश देने का अनुरोध किया था। याचिका में नीलम आजाद ने कहा कि उसे अपनी पसंद के वकील से परामर्श करने की अनुमति नहीं देना संविधान के तहत उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है, जिससे हिरासत आदेश गैर-कानूनी हो जाता है। निचली अदालत ने उसे पांच जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा है।

दिल्ली हाईकोर्ट की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष बृहस्पतिवार को मामले को तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेखित किया गया. 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया था. इस दौरान सागर शर्मा और मनोरंजन डी. नामक दो व्यक्ति शून्यकाल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे और नारे लगाते हुए एक 'केन' से पीली गैस छोड़ी थी. हालांकि, कुछ सांसदों ने इन दोनों को पकड़ लिया था। लगभग इसी समय दो अन्य व्यक्तियों (अमोल शिंदे और नीलम आजाद) ने कथित तौर पर संसद भवन परिसर के बाहर 'तानाशाही नहीं चलेगी' का नारा लगाते हुए 'केन' से रंगीन गैस छोड़ी थी।

मारपीट में घायल...

ने उसे रोकने का प्रयास किया और उसके ऑटो पर लटक गया। ऑटो चालक ने तेज गति में ऑटो चलते हुए जानबूझकर ऑटो को पलट दिया। इस हादसे में कुलदीप ऑटो के नीचे दब गया और उसे गंभीर चोटे आई। गंभीर हालत में कुलदीप को अस्पताल में भर्ती कराया गया उपचार के दौरान कुलदीप ने बीती रात्रि दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। इस मामले में पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑटो नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दो चोर गिरफ्तार...

आधार पर पुलिस ने अजय पुत्र राजेंद्र व भूरा पुत्र फैयाज को गिरफ्तार किया उनके पास से चोरी का घरेलू गैस सिलेंडर, अर्थिंग केबल के टुकड़े बरामद हुए। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की दोनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस दोनों आरोपियों के अपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

पांच लाख की रंगदारी...

बदमाश है और बनने वाले हर मकान से 5 लाख रुपए की रंगदारी लेता है। पैसे देने से इनकार करने पर कमल ने उसे जान से मारने की धमकी दी। एडवोकेट कुलदीप सिंह के मुताबिक उसके भाई ने उसे फोन कर अपनी जान का खतरा बताते हुए मौके पर आने को कहा। इस दौरान कमल ने अपने सहयोगी भूपेंद्र, राजेश, अक्षय, अनिल व अन्य अज्ञात युवकों को मौके पर बुला लिया। वह जैसे ही निर्माण कार्य स्थल पर पहुंचा तो कमल व उसके साथियों ने उसके साथ लोहे की रोड, डंडे आदि से मारपीट शुरू कर दी। उसने जब बीच-बचाव का प्रयास किया तो आरोपी ने उसके ऊपर तमंचे से फायर कर दिया। इस हमले में घायल हरदीप को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश कमल व उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

मानसिक तनाव के...

मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। वहीं थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के अगाहपुर गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मूल रूप से अतरौली अलीगढ़ निवासी सोनू परिजनों के साथ अगाहपुर गांव में रह रहा था। बीती शाम सोनू ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। सोनू को फंदे पर लटका देखकर पडोसियों ने उसे नीचे उतारा और तुरंत ही पास के अस्पताल में ले गए। परीक्षण के उपरांत चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सोनू के मानसिक रूप से परेशान होने की बात सामने आई है। पुलिस दोनों ही मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

9 लाख रुपये हड़प...

आरोपियों से बैनामा करने को कहा तो वह उसे टरकाने लगे। कई बार कहने के बावजूद भी अंजू ने उक्त प्लाट का बैनामा उसके हक में नहीं किया। बीते 18 अगस्त, 12 अगस्त को अंजू व उसके पति से जब उसने प्लॉट का बैनामा अपने नाम करने को कहा तो उन्होंने कहा कि उसे अब 35 लाख रुपए देने होंगे तभी वह बैनामा करेंगे। इस पर उसने अपने 900000 रूपये वापस मांगे तो अंजू, सोनिया, अंडरस्टैंड बिट्टू वाइब्रेशन तथा उसके दोनों साथियों ने उसे दबोच लिया और मारपीट शुरू कर दी तथा उसकी हत्या करने का प्रयास किया। किसी तरह वह इन लोगों के चंगुल से बचकर निकल।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

कोंडली पहुंचा प्राधिकरण...

साथ कोंडली गांव के समीप पहुंच गया। ग्रामीणों को जब उसका पता चला तो सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण तथा कई किसान संगठनों के लोग मौके पर पहुंच गए। किसानों का कहना है कि एक ओर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम किसानों से वार्ताकार उनकी जमीन पर कार्यवाही न करने का आश्वासन दे रहे हैं। दूसरी ओर गांव में बुलडोजर भेज रहे हैं।

उनका कहना है कि वह किसी भी कीमत पर बुल्डोजर नहीं चलने देंगे। यदि प्राधिकरण ने गांव में बुलडोजर चलाया तो इसका अंजाम काफी बुरा होगा। खबर लेकर जाने तक किसानों का प्राधिकरण कर्मचारियों के बीच बातचीत तथा टकराव जारी था।

सड़क पर शव रखकर...

कस्बा जेवर चौराहे पर राहुल के शव को सड़क पर रखकर मार्ग को अवरोध कर दिया था। जिससे आम जनता व राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने रास्ता अवरोध कर रहे लोगों को समझने का प्रयास किया लेकिन उत्तेजित लोग नहीं माने और पुलिस के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अब शब्दों का प्रयोग किया।

आरोपियों ने हमलावर होकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। जिससे चौराहे पर अफरा तफरी मच गई। उप निरीक्षक संसार सिंह ने इस मामले में राजपाल, गुलाब, यशवीर, देवेंद्र, राजेश, राजकुमार, सत्येंद्र, गौरव, अजय, राहुल, कुलदीप उर्फ चंदा, सूरज , धर्मवीर, राजकुमार, रामवीर, बच्चू, समरजीत, नानक उर्फ कारण, गौरव, योगेश, श्याम पाल, अनिकेत, राजेश, शीशपाल, चरण, जयप्रकाश, आजाद, सुमित, सौरभ उर्फ तनु, सेवन, सोनू, अमित, हरिओम, आकाश, आकू, राजकुमारी, सत्यवती, मंगली तथा करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बाइक से टक्कर के...

किया तो अमन ने अपने पिता पुष्पानंद अनिल व सौरव को मौके पर बुला लिया। चारों लोगों ने मिलकर लाठी डंडे में फावड़े से मुकुट लाल पर जानलेवा हमला कर मारपीट की। शोर सुनकर उसका भाई सत्यवान मौके पर पहुंचे और किसी तरह मुकुट लाल को आरोपियों के चंगुल से बचाया।

सुंदर सिंह का आरोप है कि जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देकर गए कि मौका मिलते ही वह मुकुट लाल को जान से मार देंगे। मुकुट लाल को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है।

घर में घुसकर...

तोड़कर जबरन भीतर घुस गए। इस बात का जब उसकी पत्नी बच्चों ने विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इरशाद का आरोप है कि धर्मपाल व उसके साथियों ने घर में रखे सामान तथा स्कूटी आदि को तोड़फोड़ कर सड़क पर फेंक दिया और उसकी पत्नी व बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया। झगड़ा होता देखकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर आ गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

एकाउंटेंट ने कंपनी...

अपने अकाउंट को पैसे ट्रांसफर करने के बाद अकाउंटेंट धनंजय कुमार नौकरी छोड़कर चला गया। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि वह कंपनी के 123000 रुपए भी साथ लेकर चला गया है। उन्होंने कई बार उसके मोबाइल पर फोन का संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। थाना प्रभारी के मुताबिक अकाउंटेंट की तलाश की जा रही है।

किशोर समेत दो...

पड़ोस में रहने वाले रिंकू कुमार पुत्र श्रीपाल के खिलाफ अपनी बहन को बहला फुसलाकर भाग ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि लापता किशोर व किशोरियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

घने कोहरे में दर्जनों गाड़ियां भिड़ीं, 3 की मौत कई घायल

नई दिल्ली/उन्नाव। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है। इससे सड़कों पर विजिबिलिटी कम हो गई है। रेल व हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। सड़क पर वाहन चालकों को ड्राइविंग में परेशानी हो रही है। कोहरे की वजह से उत्तर प्रदेश में कई वाहन टकरा गए, जिनमें तीन की मौत हो गई, वहीं कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कोहरे की वजह से उन्नाव में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर घने कोहरे का कहर दिखा है। यहां आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। कोहरे के बीच एक के बाद 3 बसें, एक ट्रक, 2 कार सहित 6 वाहन भिड़ गए। एक डबल डेकर बस भी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस घटना में एक यात्री की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व यूपीडा कर्मियों ने घायलों को अस्पताल भेजा। इनमें से 6 यात्रियों की हालत ज्यादा गंभीर थी उन्हें ट्रॉमा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है। बागपत में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यहां देर रात बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। बस में सवार करीब 13 लोग घायल हुए हैं। यह लोग पंजाब से वृंदावन जा रहे थे। विजिबिलिटी कम होने से बस ट्रक से टकरा गई। इसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाईअड्डे पर फ्लाइट्स देरी से आ रही हैं। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय करीब 110 उड़ानें प्रभावित हैं।

17 साल की लड़की से दुष्कर्म, मशहूर फिल्म निर्माता और अभिनेता गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में एक नाबालिग लड़की को फिल्म में काम दिलाने का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने की घटना हुई है. इस मामले में गुजराती फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता और निर्माता के खिलाफ अँधेरी की डीएननगर पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक, 40 वर्षीय गुजराती फिल्म अभिनेता और निर्माता ने 17 वर्षीय लड़की को फिल्म में अभिनय करने का लालच दिया। इसके बाद उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पीड़ित लड़की ने डीएननगर थाने में शिकायत दर्ज कराई. इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया. पीड़िता भी गुजराती है. वहीं आरोपी फिल्म निर्माता और अभिनेता भी गुजरात के रहने वाले हैं. वह फिलहाल अंधेरी में रहते हैं। आरोपी पीड़ित लड़की के चाचा का परिचित था. लड़की आरोपी से इस उम्मीद में परिचित हुई कि उसे किसी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा. फिर सोमवार को आरोपी ने पीड़िता को अंधेरी के एक होटल के कमरे में बुलाया. वहां उसके साथ छेड़छाड़ की. इस घटना के बाद डरी हुई लड़की भागकर सीधे डीएननगर पुलिस स्टेशन पहुंची. उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. नाबालिग लड़की की शिकायत के बाद, डीएननगर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (छेड़छाड़ के इरादे से हमला) और पॉक्सो (सुरक्षा), 8 (यौन हमला) के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया. आगे की जाँच डीएननगर पुलिस कर रही है.

आरबीआई को धमकी भरा ईमेल भेजने वाला गिरफ्तार

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को धमकी भरा ईमेल भेजने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी को वडोदरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी से अभी पूछताछ की जा रही है। बता दें कि आरोपी ने आरबीआई दफ्तर में धमकी भरा ईमेल किया था। मेल में लिखा था की मुंबई में 11 जगहो पर बम रखे हैं। मुंबई पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को वडोदरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने आरबीआई को धमकी भरा ईमेल भेजा था। गौरतलब है कि आरोपी ने आरबीआई को मेल पर धमकी दी थी। शख्स ने मेल में लिखा था कि आरबीआई दफ्तर, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के अंदर बम रखा है। आरोपी ने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का इस्तीफा भी मांगा था।

मानव तस्करी के मामले में इस कुख्यात मानव तस्कर का नाम सामने आ रहा

मुंबई । सैकड़ों भारतीयों को लेकर एक चार्टर विमान, इस विमान को पिछले हफ्ते फ्रांस में खड़ा किया गया था, मंगलवार सुबह करीब 4 बजे मुंबई पहुंचा। एयरबस ए340 276 यात्रियों के साथ वापस लौटा। पांच नाबालिगों सहित कम से कम 25 यात्रियों ने फ्रांस में शरण का अनुरोध किया। लीजेंड एयरलाइंस नामक रोमानियाई चार्टर कंपनी द्वारा संचालित उड़ान, 21 दिसंबर की दोपहर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई से फ्रांस के वैट्री हवाई अड्डे पर उतरी थी। फ्रांसीसी अधिकारियों ने गुमनाम सूचना के बाद निकारागुआ जाने वाले विमान को रोक दिया था कि उसके यात्री मानव तस्करी के शिकार हो सकते हैं। फ्रांस में चार दिनों तक रुके चार्टर विमान को लेकर एक कुख्यात मानव तस्कर का नाम सामने आया है। इस पूरे घटनाक्रम में हैदराबाद का एक व्यक्ति मास्टरमाइंड हो सकता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि शशि किरण रेड्डी, जो पिछले साल एक अन्य मानव तस्करी मामले का कथित सरगना है, नवीनतम घटना से भी जुड़ा हुआ है। जनवरी 2022 में, गुजरात के डिंगुचा गांव के एक परिवार के चार सदस्य अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करते समय कनाडा के मैनिटोबा के एक खेत में जमे हुए पाए गए थे। चार पीड़ित- एक दंपति और उनके दो नाबालिग बच्चे गुजरात के 11 लोगों के एक बड़े समूह का हिस्सा थे जो अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी, जो 15 वर्षों से मानव तस्करी नेटवर्क का संचालन कर रहा है, निकारागुआ जाने वाले उड़ान मामले का मास्टरमाइंड हो सकता है। वह कथित तौर पर दुबई से निकारागुआ के लिए चार्टर्ड उड़ानों की व्यवस्था करने में शामिल है, जो अप्रवासियों के लिए अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य के रूप में उभरा है। बताया जा रहा है कि निकारागुआ की राजधानी मानागुआ की उड़ान में 303 यात्रियों में से 96 गुजरात से थे। रेड्डी पर पिछले दो महीनों में लगभग 800 अवैध भारतीय अप्रवासियों को पर्यटक बताकर निकारागुआ भेजने का आरोप है। सूत्रों का दावा है कि इससे पहले, उन्होंने उन्हें वैट्री हवाई अड्डे पर रुकने वाली 50 सीटों वाली उड़ानों पर भेजा।

माता वैष्णो देवी मंदिर में अब तक रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री

-कुल संख्या 93.50 लाख से अधिक

जम्मू। वैष्णो देवी मंदिर में इस साल रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री पहुंचे हैं। इस वर्ष अब तक 93.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री वैष्णो देवी के गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। ऐसा चमत्कार 10 साल बाद हुआ है। मंदिर समिति के अधिकारियों का कहना है कि प्रतिदिन 37 हजार से 44 हजार श्रद्धालुगण मंदिर की यात्रा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक प्रतिदिन का आंकड़ा 50 हजार पार करेगा। वैष्णो देवी मंदिर के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक मंदिर में कुल 93.50 लाख लोगों ने मंदिर के दर्शन किए। रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में लाखों की संख्या में लोगों ने दर्शन किए। इससे पहले 2013 में रिकॉर्डतोड़ 93.24 लाख लोगों ने दर्शन किए थे। 2023 में यह आंकड़ा भी पार कर गया। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने कहा, 93.24 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के नए रिकॉर्ड के साथ तीर्थयात्रा पिछले दस वर्षों में सबसे अधिक है। तीर्थ यात्रा के इतिहास में सबसे अधिक संख्या 2012 में थी, जिसमें 1,04,09,569 श्रद्धालु पहुंचे थे। इसके बाद 2011 में 1,01,15,647 श्रद्धालु थे। गर्ग ने कहा कि प्रतिदिन 37,000 से 44,000 श्रद्धालु मंदिर की यात्रा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक यह आंकड़ा 50,000 श्रद्धालु प्रतिदिन तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि इस साल अनुमान है कि भगवान के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या 95 लाख से अधिक हो जाएगी। हाल ही में मंदिर में सुविधाओं के मामले में कुछ बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें माता वैष्णो देवी भवन और दुर्गा भवन में स्काईवॉक भी शामिल है। स्काईवॉक और एक पुनर्निर्मित पार्वती भवन का उद्घाटन अक्टूबर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया था। इसके अलावा, कटरा में तीर्थस्थल आधार शिविर एक अत्याधुनिक कॉल सेंटर बन चुका है। यहां 24 घंटे तीर्थयात्रियों की मदद की जाती है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से मुंबई तक कांग्रेस की 'भारत न्याय यात्रा' 14 जनवरी से शुरू होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को घोषणा की है कि पार्टी नेता राहुल गांधी की अगुवाई में 14 जनवरी से 20 मार्च तक मणिपुर से मुंबई (पूरब से पश्चिम) तक 'भारत न्याय यात्रा' निकाली जाएगी। पार्टी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले आयोजित की जाने वाली यह यात्रा 67 दिन में 14 राज्यों और 85 जिलों से होकर गुजरेगी। 'भारत न्याय यात्रा' के दौरान लगभग 6,200 किलोमीटर की दूरी तय की जायेगी। यात्रा ज्यादातर बस से होगी, लेकिन कहीं-कहीं पदयात्रा भी होगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने सात सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली थी। गांधी की 136 दिन की इस यात्रा में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 75 जिलों और 76 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए 4,081 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जहां गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान ''आर्थिक असमानताओं, ध्रुवीकरण और तानाशाही'' के मुद्दों को उठाया था, वहीं 'भारत न्याय यात्रा' में देश के लोगों के लिए आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। 'भारत न्याय यात्रा' मणिपुर, नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 14 जनवरी को इंफाल से यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना

करेंगे। इस यात्रा को आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने की संभावना है।

रमेश ने कहा, ''कांग्रेस 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद पार्टी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत न्याय यात्रा' निकालेगी।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर नागपुर में 28 दिसंबर को एक व्यापक रैली आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि रैली का नाम होगा 'हैं तैयार हम' और इसके जरिये कांग्रेस2024 के लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंकेगी। पार्टी के महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि इस यात्रा में देश की महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदाय के लोगों से बातचीत की जाएगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था कि पार्टी नेता राहुल गांधी को पूरब से पश्चिम तक 21 दिसंबर से दूसरे चरण की यात्रा करनी चाहिए, जिसके बाद इस यात्रा की घोषणा की गई है। यात्रा मणिपुर से प्रारंभ करने के कारण के बारे में पूछे जाने पर वेणुगोपाल ने कहा कि यह देश का महत्वपूर्ण हिस्सा है, साथ ही पार्टी उस पूर्वोत्तर राज्य के लोगों के 'जख्मों पर मरहम' लगाने की प्रक्रिया शुरू करना चाहती है।

मणिपुर में तीन मई को हिंसा शुरू होने के बाद से कुकी और मेइती समुदाय के लोगों के बीच जातीय संघर्ष में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और 60,000 से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं। रमेश ने कहा, '' भारत जोड़ो यात्रा में एकता, प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाने के बाद गांधी अब देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे।'' रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' जहां संविधान की प्रस्तावना के मूल ''स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व'' के इर्द-गिर्द केन्द्रित थी, वहीं 'भारत न्याय यात्रा' प्रस्तावना के पहले स्तंभ न्याय- सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पर केन्द्रित है।'' उन्होंने कहा, ''संविधान पर लगातार हमलों को सफल होने नहीं दिया जाएगा।''

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अन्य धड़े इस यात्रा में शामिल होंगे, वेणुगोपाल ने कहा कि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। रमेश ने बताया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी हिस्सा लिया था। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान गांधी ने 12 बैठकें, 100 से अधिक नुक्कड़ बैठकें की थीं और 13 संवाददाता सम्मेलनों को संबोधित किया था।

नीतिश से मिलने पहुंचे पूर्व बाहुबली सांसद आनंद मोहन, पत्नी लवली आंनद भी रही मौजूद

पटना। बिहार की सियासत में इनदिनों फिर से हलचल बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक बिहार के पूर्व बाहुबली सांसद आनंद मोहन अपनी पत्नी लवली के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर पहुंचे हैं। आनंद मोहन के इस तरह से सीएम आवास पर पहुंचने से सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। सियासी गलियारों में तरह तरह के कयास लग रहे हैं। कहा जा रहा है कि आनंद मोहन परिवार लालू यादव के लालटेन को छोड़कर नीतीश के तीर धनुष को थाम सकते हैं। हालांकि, अभी इस पर किसी भी तरह का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बता दें कि सीएम आवास पर नीतीश के दो दिग्गज मंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के पहले आनंद मोहन ने जदयू नेताओं के साथ मीटिंग की है। 29 दिसंबर को जदयू की कार्यकारिणी की बैठक होने वाली है। इसलिए बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कयास लग रहे हैं कि लवली आनंद 2024 के चुनाव में फिर से एक बार जदयू से मैदान में उतर सकती हैं। हालांकि, उनके बेटे फिलहाल आरजेडी से विधायक के तौर पर बने हुए हैं। आनंद मोहन पहले ही बयान दे चुके हैं कि वह आगामी चुनाव लड़ूगा। बता दें कि इसके पहले भी नीतीश और आनंद मोहन में कई बार मुलाकात हो चुकी है। नीतीश कुमार इससे पहले सहरसा में उनके गांव भी गए थे। जहां उन्होंने एक मूर्ति का अनावरण किया था। इस दौरान सीएम नीतीश ने उनकी जमकर तारीफ की थी। उन्होंने आनंद मोहन और लवली को अपना पुराना दोस्त बताया था।

सीएए लागू करना भाजपा की प्रतिबद्धता, सीएम ममता बैनर्जी कर रहीं गुमराह : अमित शाह

- घुसपैठ, गौ तस्करी खत्म कर धार्मिक रूप से सताए हिन्दुओं को नागरिकता प्रदान करना पार्टी का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम देश का कानून है और कोई भी इसके कार्यान्वयन को रोक नहीं सकता है। यह बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के नेशनल लाइब्रेरी में राज्य भाजपा के आईटी विंग सदस्यों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए शाह ने सीएए लागू करने की पार्टी की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। शाह ने विश्वास जताया कि पार्टी राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 35 से अधिक सीटें हासिल करेगी। साल 2019 के चुनावों में, भगवा पार्टी ने 18 सीटें जीतीं।

बंगाल भाजपा मीडिया सेल ने बंद कमरे में आयोजित कार्यक्रम में शाह के भाषण के संकेतों की एक सूची स?हित वीडियो क्लिप भी साझा कीं। अमित शाह ने कहा कि हमें अगले विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने के लिए काम करना है। भाजपा सरकार का मतलब घुसपैठ, गौ तस्करी को खत्म करना और सीएए के माध्यम से धार्मिक रूप से सताए गए लोगों को नागरिकता प्रदान करना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए कहा कि वह लोगों को गुमराह कर रही हैं कि देश में सीएए लागू होगा

या नहीं। गृह मंत्री ने कहा कि कभी-कभी वह लोगों को, शरणार्थियों को गुमराह करने की कोशिश करती है कि देश में सीएए लागू होगा या नहीं। मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि सीएए देश का कानून है और इसे लागू होने से कोई नहीं रोक सकता। यह हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सीएए का विरोध कर रही है, जिसे 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था। सीएए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों जैसे उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना चाहता है, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में आए थे।

जवानों को संबोधित कर रक्षामंत्री ने कहा, हमारे लिए हर सैनिक परिवार के सदस्य के समान

जम्मू (एजेंसी)। देश के केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को जम्मू दौरे पर पहुंचे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व सेना के उच्च अधिकारियों ने जम्मू एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। रक्षा मंत्री सिंह के साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी जम्मू आए हैं। रक्षा मंत्री सिंह जमीनी हकीकत की जानकारी लेने के लिए पहुंचे। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने राजौरी में सैनिकों को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने पुंछ हमले में बलिदान हुए चार जवानों को श्रद्धांजलि देकर घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, ... हमारे लिए हर सैनिक बेहद महत्वपूर्ण है, हमारा हर एक सैनिक परिवार के सदस्य के समान है। आपके ऊपर कोई नजर डाले यह हमें कतई बर्दाश्त नहीं है। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने में सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसी दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके लिए शासन की तरफ से जिस भी सहयोग की आवश्यकता होगी

उसके लिए सरकार का खजाना खुला हुआ है...

रक्षा मंत्री सिंह ने सैनिकों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सेना जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद का सफाया कर देगी। उन्होंने कहा, मुझे आपकी बहादुरी और दृढ़ता पर विश्वास है... जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद खत्म होना चाहिए और आपको इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप जीत हासिल करेंगे। इसके साथ-साथ आपको लोगों का दिल भी जीतना है।

ममता ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम से किया किनारा... भेजा गया था न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। अयोध्या में इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं। उन्हीं के हाथों प्रतिमा की स्थापना होनी है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इसकी तैयारी में जुट गई है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं और देश के विभिन्न जगत के दिग्गजों को न्यौता भेजा गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी आमंत्रित किया गया है। इस बीच खबर है कि वह और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस कार्यक्रम में शिरकत नहीं करेगी। बता दें कि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और ट्रस्ट के पदेन सदस्य नृपेंद्र मिश्रा, आरएसएस के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल और वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। मिश्रा ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से भी मिलने का समय मांगा था लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके नाजुक स्वास्थ्य का हवाला देकर समय देने से इंकार कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी भव्य समारोह में आमंत्रित किया। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को भी निमंत्रण भेजा गया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथि सूची सावधानीपूर्वक तैयार की गई है। इसमें उद्योगपति, वैज्ञानिक, अभिनेता, सेना अधिकारी से लेकर पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता तक शामिल हैं। अतिथि सूची में तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा, योग गुरु बाबा रामदेव, उद्योगपति अडानी समूह के गौतम अडानी, रिलायंस के मुकेश अंबानी, अभिनेता अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, माधुरी दीक्षित नेने, रामानंद सागर की रामायण टीवी श्रृंखला में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल , फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर, गीतकार प्रसून जोशी सहित अन्य शामिल हैं।

राजस्थान में कैबिनेट विस्तार की तैयारी

-नए विधायकों को मिल सकती है जगह

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भी नई भाजपा सरकार की कैबिनेट विस्तार की तैयारी शुरु हो चुकी है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार में एक या दो दिन में नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को कैबिनेट विस्तार हो सकता है और शपथ ग्रहण के लिए राजभवन में तैयारियां की जा रही हैं।माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश की तरह ज्यादा नए विधायकों को मौका दिए जाएंगे।इस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा, आपको मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में जल्द ही सूचित किया जाएगा।

सीएम शर्मा मंगलवार को श्रीकरणपुर विधानसभा के दौरे पर थे और मंगलवार शाम को जयपुर लौट आए। कैबिनेट विस्तार के चलते ज्यादातर विधायक जयपुर में ही रुके हुए हैं।अटकलें हैं कि वरिष्ठ सदस्यों की जगह उन विधायकों को मौका दिया जा सकता है, जो अब तक कभी मंत्री नहीं बने हैं। कुछ वरिष्ठ विधायकों को भी मंत्री बनाया जा सकता है और उनकी संख्या ज्यादा नहीं होगी।वहीं, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नए मंत्रियों के चयन में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने पर भी नजर रहेगी।इस पृष्ठभूमि में माना जा रहा है कि शेखावाटी क्षेत्र, जहां भाजपा का प्रदर्शन फिसड्डी रहा है, वहां ज्यादातर जीते हुए विधायकों को कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है।इस बीच, पूर्व सीएम अशोक गहलोत देरी से हो रहे कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, राजीव गांधी युवा इंटर्नशिप कार्यक्रम को बंद कर जहां युवाओं को रोजगार से वंचित किया जा रहा है, वहीं चिरंजीवी योजना के तहत इलाज नहीं होने की खबरें भी आ रही हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सबसे पहले राजस्थान के हित में सरकार का गठन हो, कैबिनेट बने और हमारी योजनाओं और सुचारु शासन के बारे में स्थिति स्पष्ट की जाए।÷ उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की अद्भुत योजनाओं को बंद नहीं करने की गारंटी नहीं मिलने के कारण नई सरकार से जनता की उम्मीद शुरुआत में ही खत्म हो गई है।

जनवरी के अंत में भाजपा कर सकती है लोस उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में करीब 4 महीनों का समय बाकी है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच खबर है कि पार्टी जनवरी के अंत से ही उम्मीदवारों का ऐलान शुरू कर देगी। हालांकि, इस खबर को लेकर भाजपा ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि भाजपा 2024 में राज्यसभा सांसदों को भी मैदान में उतार सकती है। हाल ही में भाजपा ने हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत दर्ज की थी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जल्दी सूची जारी करने का प्रयोग भाजपा के लिए सफल साबित हुआ है। सूत्रों का कहना है कि इससे पार्टी अपने प्रतिद्वंदियों के सामने एक कदम आगे निकल सकती है। सूत्र ने कहा, समय रहते फैसला लेना हमारे पक्ष में है। साथ ही उन लोगों के लिए भी शुरुआत का सही समय है, जो बड़े नाम हैं और उपयोगी होते हुए भी मैदान में नहीं उतारे गए हैं। उन्होंने कहा, इससे राज्यसभा में अन्य लोगों के लिए जगह बनेगी और संबंधित लोगों का कद भी बढ़ेगा।

आतंकियों ने हमले का बदला पैटर्न, घना जंगल और टर्न वाले रास्ते को बनाया निशाना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में हुए दो आतंकी हमलों को देखकर माना जा रहा है कि आतंकियों ने हमले का पैटर्न बदल दिया है। सुरक्षा बलों की जांच में हुए खुलासे के बारे बताया जा रहा है कि बीते 8 माह में पुंछ जिले में दो आतंकी हमले हुए हैं। दोनों ही हमलो में सड़क का टर्न और घने जंगलों को ध्यान में रखकर योजना बनाने की शंका जाहिर की जा रही है। बता दें कि बीते 8 माह में पुंछ जिले में दो आतंकी हमले हुए हैं। पहला हमला 20 अप्रैल को भिंबर गली-सूरनकोट रोड पर आतंकवादियों ने सेना के ट्रक पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। यह अटैक उस वक्त हुआ जब सांगियोट गांव में होने वाली इफ्तार पार्टी के लिए फल और दूसरे सामान ले जाए जा रहा था। इसके बाद, दूसरा हमला 21 दिसंबर को आतंकवादियों ने देहरा की गली-बफलियाज रोड पर सेना के 2 वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। इसमें 4 जवान शहीद हुए और 3 घायल हो गए।

दोनों ही हमले वाली जगहों के बीच जंगल है और जिसकी दूरी 30 किलोमीटर तक है। अगर आप सड़क से यात्रा करना चाहते हैं तो सुरनकोट से 55 किमी और राजौरी-थानामंडी मार्ग से 80 किमी की दूरी तय करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों हमलों को 4-5 की संख्या में आतंकियों ने अंजाम दिया। इससे पहले इनकी ओर से टारगेटेड लोकेशन की टोह ली गई। ऐसा मालूम होता है कि जिन जगहों पर अटैक हुआ उन्हें काफी सावधानी से चुना गया था। यहां खासतौर पर इस बात का ध्यान रखा गया कि मोड़ पर जाने से पहले वाहनों को धीमा किया जाएगा। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि आतंकवादियों ने दोनों हमलों में स्टील कोर बारूद का इस्तेमाल किया। यह भी पता चला कि घात लगाकर किए गए हमले के बाद उन्होंने मृत सैनिकों के हथियार लूट लिए। ऐसा मालूम होता है कि उन्होंने हमलों की तस्वीरें और वीडियो शूट करने के लिए बॉडीकैम से लैस हेडगियर पहना था। हमले से जुड़े कथित वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर भी किए गए। बता दें कि हमले के जिम्मेदार आतंकवादियों का पता लगाने के लिए दुर्गम इलाकों और घने जंगलों में सुरक्षाबलों का तलाश अभियान जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में 30 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की गई है और उनमें से कई को छोड़ दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि अभियान में खोजी कुत्ते, निगरानी उपकरण और हवाई तंत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में दबदबा बनाए रखने के अभियान के बीच घुसपैठ के 7 मार्गों को बंद करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि घने जंगल, गहरी घाटियां और गुफाएं होने के कारण अभियान बेहद सावधानी से चलाया जा रहा है। राजौरी और पुंछ में लगातार चौथे दिन मोबाइल

इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को पुंछ में घटनास्थल का दौरा किया था। सेना प्रमुख ने अपने दौरे के दौरान सुरनकोट और पास के राजौरी जिले के थानामंडी वन क्षेत्र में जारी आतंकवाद रोधी अभियान की समीक्षा की। जनरल पांडे ने सुरक्षाकर्मियों से सभी चुनौतियों के प्रति दृढ़ रहने को कहा।

नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।

दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।

इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

मॉरीशस: समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।

मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे-छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस-ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।

विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है।इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।

इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम (वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।

आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ कर सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है।इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है।रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाडियों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे। इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।

इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है।हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है।1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला।आज यह रोमन-जर्मेनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है।इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।

तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।

स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे।स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।

स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।

जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस-पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरैस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे।उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।

इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं।यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा। 2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म-समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा-यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

ओटीटी प्रोजेक्ट शो टाइम को लेकर उत्साहित हैं इमरान हाशमी

करण जौहर की नई सीरीज 'शो टाइम' हिंदी फिल्म जगत का काला चिट्ठा खोलने जा रही है। इस सीरीज में वंशवाद से लेकर भाई भतीजावाद के चलते निशाने पर रहने वाली हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कुछ रोचक व दिलचस्प कहानियां दिखाई जाएंगी। वेब सीरीज बार्ड ऑफ ब्लड के बाद अभिनेता इमरान हाशमी का ओटीटी प्लेटफार्म पर यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इस शो को लेकर इमरान हाशमी काफी उत्साहित हैं। डिज्नी प्लस हॉटस्टार की नई सीरीज शो टाइम में अभिनेता इमरान हाशमी एक प्रभावशाली फिल्म निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। यह एक ऐसा शो है जिसमे बॉलीवुड के मूवर्स और शेकर्स की कहानियों और उनके गेम के टॉप पर बने रहने के उनके स्ट्रगल को दिखाया गया है। इमरान हाशमी नेपोटिज्म पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं, एवरी आउटसाइडर वॉन्ट्स टू बी एन इनसाइडर। अभिनेता इमरान हाशमी ने इंडस्ट्री में बहुत लंबा वक्त बिताया है। वह कहते हैं, मैंने इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं, इसलिए जब यह शो मेरे पास आया, तो मैंने इसे स्वीकार कर लिया। इसका हिस्सा बनने का अवसर और विभिन्न स्तरों पर इसके पहलुओं के साथ खुद को जोड़ सकता है, इसलिए शो के लिए हामी भरी। हमने हमेशा दर्शकों को बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, इसके बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक देखा है। बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, इसे जानने के लिए सभी लोग उत्सुक रहे हैं। इस शो के माध्यम से बॉलीवुड के पीछे की रंग बिरंगी दुनिया के अलावा बॉलीवुड के पर्दे के पीछे की उन कहानियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बॉलीवुड में अक्सर नेपोटिज्म की चर्चा होती रहती है, जिसके बारे में आम जनता जानती हैं, लेकिन इसके अलावा बॉलीवुड की रंग बिरंगी दुनिया में और क्या क्या होता हैं, इस सीरीज के माध्यम से दर्शक जान सकेंगे। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार के निर्देशन में बन रही इस सीरीज में इमरान के अलावा महिमा मकवाना, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन और विजय राज की मुख्य भूमिकाएं हैं।

स्कैम 1992 के प्रतीक गांधी को ऑडिशन के बाद कहा- तुम्हें हम अमीर नहीं दिखा सकते, क्योंकि तुम ऐसे दिखते नहीं

ओटीटी पर स्कैम 1992 के जरिए अपनी अदाकारी का सिक्का जामने वाले प्रतीक गांधी आज ओटीटी के अच्छे कलाकारों में गिने जाते हैं। वह इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज की होस्टिंग को लेकर। उन्होंने अपने इसी शो को लेकर हमसे कुछ खास बातचीत की है, आइए जानें क्या कुछ कहा है –

प्रतीक आप एंटरटेनमेंट जगत में हैंडसम हीरो के बजाय अनकन्वेंशनल लुक के साथ आए तो इंडस्ट्री में रोल्स पाने के लिए आपको मशक्कत करनी पड़ी?

ये हीरो वाला टर्म है, ना, ये बहुत विचित्र टर्म है। हीरो हर किसी की नजर में अलग-अलग हो सकता है। हीरो की कोई परिभाषा है ही नहीं। बचपन में जब मैं थिएटर किया करता था तो मेरे लिए ये मायने नहीं रखता था कि मैं कैसा दिखता हूं? मैं कैसा लगता हूं? मेरे लिए इस बात की अहमियत होती थी कि मैं कैसा किरदार बनाता हूं। लोग मेरे जरिए उस किरदार तक पहुंच पाते हैं या नहीं? हालांकि ऐसा भी हुआ है कि बहुत पहले जब मैंने एक ऑडिशन दिया तो वे बोले, तुम्हें हम अमीर नहीं दिखा सकते, क्योंकि तुम्हारे लुक के कारण तुम अमीर नहीं लगते। मैं सोच में पड़ गया कि इस पर कैसे काम किया जाए। अगर कोई कहे कि मुझे अपने डायलॉग डिलीवरी पर या क्राफ्ट पर काम करना है तो मैं करूंगा, मगर अमीर लगने पर कैसे काम करूं। मगर हां, हुआ है, मेरे साथ ऐसा।

आज आपके पास अच्छा-खासा काम है, मगर आपके करियर का सबसे कठिन दौर कौन-सा था?

सबसे मुश्किल दौर तो वही था, जब मैं कॉर्पोरेट जॉब के साथ-साथ थिएटर भी किया करता था। उस समय मेरे ऑफिस का वो प्रोजेक्ट और प्लांट बहुत बड़ा था, वहां भी मेरी जरूरत थी। तभी मुझे अपनी पहली फिल्म मिली और मेरा प्ले भी ओपन होने वाला था। मुंबई में हमारे पास घर था ही नहीं और हम घर ढूंढ रहे थे। उन हालात में मैं सुबह साढ़े पांच बजे प्ले की रिहर्सल भी कर रहा था और जॉब में भी लगा हुआ था। उस वक्त सभी ने मुझसे यही कहा कि ये सब एक्टिंग-वेक्टिंग बंद करके चुपचाप जॉब करो और घर का मामला सेटल करो। मगर तब मुझ पर जाने कौन-सी धुन सवार थी कि मैंने अभिनय नहीं छोड़ा। डेढ़-दो साल का वो जो दौर था, उसी के कारण आज यहां पहुंच पाया।

आपके करियर में सबसे बड़ा प्राउड मोमेंट क्या था?

प्राउड मोमेंट भी आए हैं कुछ। स्कैम के बाद जब मुझे पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला, तो मेरा अवॉर्ड मम्मी लेने गई थीं। शूटिंग के कारण मैं अवॉर्ड लेने जा नहीं पाया था। उस वक्त उनकी आंखों की खुशी मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार था। वैसे मैंने मुंबई में अपना घर ले लिया है, तो वो भी मेरे लिए गर्व की बात है।

आप हंसल मेहता की सीरीज में महात्मा गांधी की भूमिका भी निभाने जा रहे हैं?

ये मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा किरदार होगा। मेरे लिए ये बहुत बड़ी बात है। मैं इस चरित्र को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं थिएटर में उनकी भूमिका को अदा कर चुका हूं और मेरा मानना है कि वे भी पहले एक आम आदमी थे, मगर आजादी को लेकर लड़ी गई उनकी लड़ाई और विचारों ने उन्हें महान बना दिया।

आप अपने शो क्राइम्स आज कल सीजन 2 के जरिए लोगों को अपराध के खिलाफ जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं, क्या कभी आप असल जिंदगी में किसी अपराध का शिकार हुए हैं?

हां, कई बार मैं जुर्म का शिकार हुआ हूं। हम लोग मुंबई में घर ढूंढ रहे थे। उस दिन मेरे साथ मम्मी, पापा, भाई और पत्नी भी थी। हम लोग रास्ते में थे, तभी हमारी गाड़ी के बीच में नशे में धुत एक आदमी आ गया। पहले तो मैं घबरा गया कि कहीं वो शख्स मेरी गाड़ी से टकरा तो नहीं गया। जैसे ही मैंने कार का विंडो ग्लास नीचे किया, उसने मेरा गला पकड़ लिया और चिल्लाने लगा। उसकी देखादेखी में भीड़ इकट्ठा हो गई और वो भी चिल्लाने लगी। वो लोग बात सुनने को ही राजी नहीं थे। फिर उसका भाई आया और उसने कहा, जाने दीजिए, ये नशे में है। ये घटना ऐसी थी कि पल में कुछ भी हो सकता था। एक दूसरी घटना में मैं लोकल ट्रेन से ऑफिस जा रहा था। भीड़ काफी थी, सीट को लेकर हुई कहासुनी में एक आदमी उठा और उसने मुझे कस के थप्पड़ जड़ दिया। मैं तो स्तब्ध होकर बर्फ की तरह जम गया था। उसके साथ रोजाना सफर करने वाले 10-12 लोग थे। उस वक्त मैं भी गुस्से में आ जाता तो बात बढ़ सकती थी। मुझे लगता है छोटे स्वरूप में हो या बड़े, अपराध का शिकार कभी न कभी हम सभी होते हैं।

इस तरह के शोज पर ये आरोप लगते रहे हैं कि असुरक्षा फैलाने के साथ-साथ ये अपराधियों को जुर्म करने का रास्ता देते हैं, इस पर आपका मत?

मैं तो यही कहूंगा कि इस तरह के शोज से आपको पता चल जाता है कि कौन, कहां किस तरह से बिहेव कर रहा है? उसकी मंशा क्या है? वो अपराधी कहां तक पहुंच सकता है। मेरे हिसाब से ऐसे शोज लोगों को चौकन्ना करने का काम करते हैं। इनके जरिए आप आस-पास के समाज की सच्चाई से वाकिफ हो पाते हैं। कई विडियोज ये भी दर्शाते हैं कि फलां चीजें खाने से ये नुकसान है, तो लोग खाना तो बंद नहीं करते ना? वो तो एहतियात बरतते हैं। मैं मानता हूं कि इस तरह की सीरीज को देखने के बाद लोग क्राइम से डरने लगते हैं, मगर लोगों को इसकी भयावहता से वाकिफ कराना भी जरूरी है।

सारा अली खान लंदन में मां-पापा के साथ इंजॉय कर रहीं छुट्टियां

सारा अली खान लंदन में हॉलीडे इंजॉय करती नजर आई हैं। सारा किसी और के साथ नहीं बल्कि अपने पापा और मां के साथ अपना ये वकेशन इंजॉय कर रही हैं। सारा ने सैफ और अली खान और मां अमृता के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की हैं और बताया है कि इस मौके पर वह किन्हें सबसे ज्यादा मिस कर रही हैं।

मां और पापा संग लंदन में दिखीं सारा अली खान

सारा अली खान इस वक्त लंदन में अपना हॉलीडे मना रही हैं। सारा अपनी मां अमृता सिंह और पापा सैफ अली खान के साथ क्रिसमस का लुत्फ उठाती दिखी हैं। हालांकि, इन तस्वीरों में उनके भाई इब्राहिम अली खान उनके साथ नजर नहीं आ रहे हैं और ऐसा लग रहा है कि वह उन्हें मिस कर रही हैं। सारा ने अपने लंदन वकेशन वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। मां अमृता सिंह और पापा सैफ अली खान के साथ सारा ने तस्वीरें शेयर की हैं। इसी के साथ सारा ने अपने भाई को मिस करने की भी बात कही है। मां और पापा के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर सारा ने लिखा है- इस मैरी क्रिसमस के लिए धन्यवाद सांता। इब्राहिम, काश तुम पेकन पाई खाने के लिए, जश्न मनाने और क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए यहां होते। सारा अली खान ने तस्वीरें शेयर कर बताया है कि वो अपनी मां और पापा दोनों के साथ लंदन में हैं। हालांकि, किसी भी तस्वीर में सैफ और अमृता एकसाथ नजर नहीं आ रहे हैं। सैफ और अमृता की शादी साल 1991 में हुई थी। अमृता और सैफ की शादी के करीब 4 साल बाद 1995 में सारा अली खान का और 2001 में इब्राहिम अली खान का जन्म हुआ। धीरे-धीरे सैफ और अमृता के बीच झगड़े बढ़ने लगे और वे फाइनली 2004 में अलग हो गए। इसके बाद उन्होंने करीना से शादी रचा ली।

सारा की आने वाली फिल्में

सारा की अपकमिंग फिल्मों में कन्नन अय्यर निर्देशित बायोपिक ऐ वतन मेरे वतन है जिसमें वह स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता के किरदार में होंगी। इसके अलावा उनके पास अनुराग बसु की फिल्म और होमी अदजानिया की मर्डर मुबारक भी हैं। इन सबके अलावा जगन शक्ति की अनटाइटल्ड एक्शन फिल्म में वह टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी।

एनिमल की एडिटिंग में हुई थी गलती, ओटीटी वर्जन में कर रहा हूँ सुधार

संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल के खूब चर्चे हैं। फिल्म को लेकर जितना बवाल हुआ, उतने ही बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड भी टूटे। रिलीज के 20 दिन बाद निर्देशक ने चुप्पी तोड़ी और सभी विवादों का जवाब दिया। अब फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर धमाकेदार एंट्री मारने के लिए तैयार है। इस ग्रैंड रिलीज से पहले संदीप ने फिल्म की कुछ डिटेलिंग को लेकर बात की। निर्देशक ने एडमिट किया कि फिल्म में उनसे कुछ चूक हुई थी, जिसे वो ओटीटी पर रिलीज करने से सुधार लेंगे। फिल्म में थी गलती संदीप ने कोमल नाहटा से बातचीत में बताया कि थियेट्रीकल वर्जन में साउंड, कॉस्ट्यूम, मेकअप को लेकर कुछ गलतियां थीं। संदीप ने कहा- मुझे नहीं पता ये कैसे हुआ। दरअसल, फिल्म पांच भाषाओं में रिलीज हुई है, तो शायद मैं ट्रैक से भटक गया कि किस भाषा का मैंने चेन्नई में बैठकर चेक कर रहा था। पिछले 20 दिन बहुत भयानक थे। हम 3-4 दिन तक मिक्सिंग रूम में ही सोए थे। मुझे एक हफ्ता और रुकना चाहिए था। ओटीटी पर रिलीज करने से पहले इस मिस्टेक्स को करेक्ट करने को लेकर संदीप ने कहा- मैं उन वर्जन को एडिट कर रहा था, क्योंकि 1-2 शॉट्स में कुछ समस्याएं थीं। मैं अब एक ही टेक से अलग और कुछ और शॉट्स का यूज कर रहा हूं। एक बात जो मुझे लगी कि मुझे 3 घंटे 21 मिनट के बजाय 3 घंटे 30 मिनट छोड़ देना चाहिए था। मुझे नहीं पता कि मैंने उन 8-9 मिनटों को क्यों एडिट किया। अब, मैं उन 5-6 मिनट का इस ओटीटी वर्जन में यूज करूंगा। इससे पहले बॉबी देओल भी रिवील कर चुके हैं कि फिल्म में उनका और रणबीर का एक किसिंग सीन था। लेकिन फाइनल एडिट से पहले संदीप ने उन्हें कट कर दिया था।

रोनित रॉय ने शादी की 20वीं सालगिरह पर दुबारा लिए सात फेरे

दिग्गज एक्टर रोनित रॉय ने शादी की 20वीं सालगिरह पर पत्नी नीलम के साथ दोबारा शादी की है। उन्होंने गोवा के मंदिर में फिर से सात फेरे लिए और शादी की सभी रस्मों को निभाया। एक्टर ने इस दोबारा शादी के वीडियोज भी शेयर किए हैं, जिसमें वो पत्नी को होंठों पर किस करते हुए नजर आ रहे हैं। टीवी और फिल्मों के मशहूर एक्टर रोनित रॉय ने अपनी शादी के सात वचनों को दोबारा स्वीकार किया है। पत्नी नीलम सिंह के साथ शादी की 20वीं सालगिरह पर एक्टर ने दोबारा सात फेरे लिए हैं। कपल ने इस खास मौके पर गोवा के एक मंदिर में फिर से एक-दूसरे को वरमाला डाली, अग्नि के सात फेरे लिए और एक-दूसरे का साथ निभाने की कसमें खाईं। इस मौके पर एक्टर का 16 साल का बेटा अगस्त्य भी मौजूद था। रोनित रॉय और नीलम दोनों ने इंस्टाग्राम पर इस बेहद खास पल के वीडियोज शेयर किए हैं, जिसमें दोनों एक-दूजे को होंठों पर किस करते हुए भी नजर आ रहे हैं। टीवी के मिस्टर बजाज रोनित रॉय हिंदी के साथ ही बंगाली फिल्मों के भी मशहूर एक्टर हैं। उन्होंने ने तमिल और तेलुगू फिल्मों में भी काम किया है। रोनित ने जो वीडियोज शेयर किए हैं, उनमें वह और नीलम शादी की रस्मों में हिस्सा लेते नजर आ रहे हैं। इसमें बंगाली शादी की रीति शुभो दृष्टि भी शामिल है। रोनित ने ऐसे तीन वीडियोज शेयर किए हैं। इनमें से एक में उन्होंने कैप्शन लिखा है, मुझसे शादी करोगी फिर से दूसरे वीडियो के साथ एक्टर ने कैप्शन लिखा है, हमारी प्रतिज्ञाओं को फिर से नया करना- भाग 2, जबकि तीसरे वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है, दूसरी बार तो क्या, हजारों बार ब्याह तुझी से करूंगा! मेरी प्यार, तुम्हें शादी की 20वीं सालगिरह बहुत मुबारक हो।

मेगास्टार चिरंजीवी ने बांधे प्रभास की तारीफों के पुल

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म सलार को लेकर हर तरफ सुर्खियां बटोर रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर सलार की भिड़ंत शाहरुख खान की फिल्म डंकी से हुई है। प्रभास अभिनीत फिल्म की दर्शकों से लेकर फिल्मी सितारों तक तारीफ कर रहे हैं। वहीं, अब मेगास्टार चिरंजीवी ने प्रभास और सलार की टीम को बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। चिरंजीवी ने एक्स पर नोट लिख सलार के कलाकारों और निर्देशक की तारीफ की।

मेगास्टार ने की प्रभास की तारीफ

चिरंजीवी ने की प्रभास की तारीफ करते हुए लिखा, हार्दिक बधाई मेरे प्रिय देवा स्टार प्रभास। सलार-पार्ट वन- सीजफायर ने बॉक्स ऑफिस पर आग लगा दी है। मेगास्टार ने सलार के निर्देशक प्रशांत नील को बधाई देते हुए कहा कि आप फिल्म निर्माण में महान हैं। चिरंजीवी ने वरदराजा मन्नार, श्रुति हासन और कार्था के अभिनय की भी तारीफ की और सलार की सफलता के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। सलार की बात करें, तो इस फिल्म में प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा श्रुति हसन, जगपति बाबू, ईश्वरी राव, श्रिया रेड्डी, रामचंद्रन राजू और ब्रह्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी प्रशांत नील के साथ संदीप रेड्डी बांदला, हनुमान चौधरी और डॉ. सूरी ने मिलकर लिखी है। इसके निर्माता विजय किरगंदूर हैं। बता दें कि प्रशांत नील निर्देशित सलार-पार्ट वन - सीजफायर ने बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक शुरुआत की। सलार ने शाहरुख की डंकी, जवान और पठान के पहले दिन के कलेक्शन को पछाड़ नया रिकॉर्ड बनाया है। सलार की सफलता के बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे पार्ट की भी घोषणा कर दी गई है। फिल्म के दूसरे भाग का एक पोस्ट-क्रेडिट सीन वायरल हो रहा है। बता दें कि वायरल वीडियो के आखिर में स्क्रीन पर 'सलार-पार्ट 2 शौर्यांग पर्वम' लिखा आता है।

सर्दी व कोहरे के मद्देनजर जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के कुशल के निर्देशन में जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी द्वारा शीत लहर से बचाव हेतु एवं सर्दी व कोहरे के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा उपायों को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है।

जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी ने ड्राइविंग की सेफ्टी से जुड़ी जरूरी बातें बताई है। उन्होंने कहा कि चूंकि सर्दी का मौसम शुरू हो गया तथा हल्का कोहरा भी पड़ने लगा है। ऐसे में सड़क सुरक्षा उपायों को अपनाया जाना नितांत आवश्यक है। वाहन चालकों को सुरक्षा के टिप्स देते हुए कहा कि गाड़ी के फॉग लैम्प सही रखें। यदि आपकी गाड़ी के फॉग लैम्प काम नहीं कर रहे हैं तब उन्हें सही करवा लें। यदि कार में फॉग लैम्प नहीं हैं तो उसे जरूर फिक्स करवा लें। सर्दी के मौसम में जब धुंध होती है तब फॉग लैम्प बेहद कामगर साबित होते हैं। इसके साथ ही वाहन में लगे वाइपर को जरूर चेक करें। यदि आपकी कार के वाइपर की रबड़ थोड़ी सी भी खराब हो रही है, तो उसे भी बदलवा लें। सर्दी के मौसम में जब फॉग होता है या फिर ओस गिरती है, तब वाइपर विंडशील्ड को साफ करने का काम करते हैं। सर्दी के मौसम में डिफॉगर का इस्तेमाल भी अत्यधिक कारगर सिद्ध होता है। सर्दी के मौसम में यदि बाहर धुंध ज्यादा है और आपकी कार में डीफॉगर दिया है, तब उसका इस्तेमाल करना चाहिए। कई बार रियर ग्लास पर मॉयश्चर आ जाता है, ऐसे में डीफॉगर की मदद से उसे जल्दी साफ कर सकते हैं। डीफॉगर ग्लास पर हीट जनरेट करता है जिससे मॉयश्चर खत्म हो जाता है। सुरक्षा के दृष्टिगत टायरों में प्रेशर ओवर नहीं होना चाहिए। सर्दी के मौसम में टायर का प्रेशर का सही रहना काफी जरूरी हो जाता है।

भीम आर्मी ने एसडीएम के खिलाफ खोला मोर्चा, बड़े आंदोलन की चेतावनी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सक्रिय भीम आर्मी तथा आजाद समाज पार्टी (असपा) के कार्यकर्ताओं ने दादरी तहसील के एसडीएम आलोक गुप्ता के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के तिलपता गांव में हुई नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के भीम आर्मी तथा असपा के कार्यकर्ताओं की बैठक में एसडीएम आलोक गुप्ता के विरुद्ध आंदोलन करने की घोषणा की गई।

आजाद समाज पार्टी (असपा) के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र (गौतमबुद्धनगर) के भीम आर्मी तथा आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के तिलपता गांव में की गई। इस बैठक में तय किया गया कि भीम आर्मी तथा असपा दादरी तहसील के एसडीएम आलोक गुप्ता के विरुद्ध आंदोनल शुरू करेगी। बैठक में आरोप लगाया गया कि एसडीएम दादरी ने आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार के विरुद्ध नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के भीम आर्मी तथा असपा कार्यकर्ता बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। आंदोलन की घोषणा एक जनवरी को बैठक करके की जाएगी।

भीम आर्मी व असपा की बैठक में आरोप लगाया गया कि एसडीएम दादरी द्वारा सरकारी जमीनों पर पैसे लेकर अवैध कब्जे कराए जा रहे हैं। दलितों की जमीनों को जबरदस्ती छीना जा रहा है। असंक्रमणीय पट्टे को संक्रमणीय करने के नाम पर लाखों की रिश्वत मांगी जा रही है। भाजपा सरकार बोलती है कि सरकारी जमीनों को दबंगों के कब्जे से मुक्त कराओ, मगर एसडीएम द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जे कराए जा रहे हैं। आरोप लगाया कि जब तक रिश्वत नहीं दी जाती है, तब तक आवेदकों के आय एवं अन्य प्रमाण पत्र नहीं बनाए जाते हैं। आरोप लगाया कि बिल्डरों से रिकवरी के नाम पर अवैध उगाही कराई जा रही है।

एसडीएम आलोक के खिलाफ भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी। इसकी रणनीति एक जनवरी को बनाई जाएगी। बैठक भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, सोनू गौतम, वीरेंद्र आजाद, प्रिया, भावना, डा. अतर सिंह व नितिन कूमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

5 हजार वर्ग मीटर जमीन कब्जे से मुक्त करायी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने छपरौला में अधिसूचित एरिया पर अवैध

कब्जे को बुधवार को ध्वस्त कर दिया और करीब 5000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की परियोजना विभाग के महाप्रबंधक व ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार के दिशा-निर्देशन में वर्क सर्किल एक की टीम ने छपरौला गांव में अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। यह जमीन ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया में है।

इसे अवैध रूप से कब्जाने की कोशिश की जा रही थी। इसकी सूचना मिलने पर परियोजना विभाग की टीम प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गई और लगभग 5000 पर मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। उन्होंने कहा है कि इस जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मजबूती से चल रही है यूपी जोड़ो यात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक अजय राय के नेतृत्व में चल रही यूपी जोड़ो यात्रा अमरोहा से शुरू होकर मुरादाबाद पहुंची। यात्रा के मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा रहे।

नोएडा कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मुकेश यादव व नोएडा कांग्रेस नेता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य यतेन्द्र शर्मा ने बताया कि यात्रा में कांग्रेस पार्टी की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता को बताया।

उन्होंने कहा कि यात्रा ऐतिहासिक होगी और आने वाला समय कांग्रेस पार्टी का ही है। देश की जनता ने विचार कर लिया है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार केन्द्र मे आनी चाहिए। यात्रा में साथ चल रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विदित चौधरी, प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी, प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव व एआईसीसी सदस्य पुरुषोत्तम नागर, पूर्व महानगर अध्यक्ष पूर्व सचिव मुकेश यादव, नोएडा कांग्रेस नेता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य यतेन्द्र शर्मा भी यात्रा में साथ रहे।

रंग ला रहा है यातायात पुलिस का अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों को जमकर सबक सिखाया जा

रहा है। एक ही दिन में कई वाहनों को सीज कर दिया गया, जबकि सैकड़ों वाहन चालकों से जुर्माना वसूला गया।

आपको बता दें कि नोएडा पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में सडक सुरक्षा के दृष्टिगत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नोएडा पुलिस कमिश्नरेट 16 दिसंबर से से 31 दिसंबर 2023 तक यातायात पुलिस व नागरिक पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 26 दिसंबर को को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 5 स्थानों पर संयुक्त टीम बनाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध चैकिंग की गई। अभियान के दौरान 509 वाहन चालकों को चैक किया गया जिसमें 5 वाहन चालक नशे की स्थिति में पाए गए, इन वाहन चालकों के वाहनों को सीज/ई-चालान की कार्रवाई की गई।

सडक सुरक्षा पखवाडा अभियान के दौरान 27 दिसंबर 2023 को यातायात पुलिस द्वारा नोएडा के सेक्टर 15, 16, 18, 37, बॉटनिकल गार्डन, सेक्टर 52 मैट्रो स्टेशन, मॉडल टाउन, कासना, सूरजपुर, परीचौक, किसान चौक आदि पर कुल 1284 वाहन चालकों व आमजन को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

सडक सुरक्षा पखवाडा अभियान के दौरान वाहन चालकों को कोहरे के कारण सडक दुर्घटना से बचाव व यातायात नियमों का पालन करने के लिए जेवर टोल प्लाजा पर अनाउसमेन्ट के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

बिना हेलमेट - 40, बिना सीट बेल्ट - 95, विपरीत दिशा - 462, नो पार्किंग - 457, ओवर स्पीड - 212, अन्य - 4382, कुल ई-चालान - 6011

आठ एसीपी के कार्यक्षेत्रों में हुआ बदलाव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में कानून व प्रशासनिक व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के आदेश पर बुधवार को आठ अपर पुलिस आयुक्त/सहायक पुलिस आयुक्तों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। अब नए कार्यक्षेत्र के अनुसार ही अपर पुलिस आयुक्त/सहायक पुलिस आयुक्त अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

बुधवार की शाम जारी आदेश के अनुसार, सहायक पुलिस आयुक्त आईपीएस सुश्री शैय्या गोयल को सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय नोएडा की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि अपर पुलिस आयुक्त/सहायक पुलिस आयुक्त पीपीएस पवन कुमार को स्टॉफ आफिसर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर बनाया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती दीक्षा सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेंट्रल नोएडा, सहायक पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त चतुर्थ ग्रेटर नोएडा की जिम्मेदारी दी गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त हेमंत उपाध्याय को सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय सेंट्रल नोएडा, सहायक पुलिस आयुक्त रमेश चंद पांडेय को सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस लाइन, सहायक पुलिस आयुक्त सौम्या सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त महिला सुरक्षा तथा सहायक पुलिस आयुक्त सौरभ श्रीवास्तव को सहायक पुलिस आयुक्त साइबर सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

कंबल तथा खाद्य सामग्री वितरित की

नोएडा (चेतना मंच)। सामाजिक संस्था बी.एस. फाउंडेशन ने स्लम एरिया में जाकर जरूरतमंद लोगो को ठंड से बचाने के लिए 101 गर्म कम्बल व बच्चों के लिए बिस्कुट वितरण करने का कार्य किया साथ ही उन्होंने श्री राधा कृष्णा मंदिर गौशाला में गाय माता के लिए 21 कम्बल भी प्रदान किये ताकि गाय माता को ठण्ड से बचाया जा सके।

बी.एस. फाउंडेशन की अध्यक्षा और संगीत की प्रसिद्ध गुरु डॉ. बबिता शर्मा ने कहा कि इन लोगो से मिलकर एक सुखद अनुभूति हुई है, हमारी संस्था से जितना हो सकेगा हम जरूरतमंद लोगों का सहयोग करेंगे। डॉ बबिता शर्मा ने सभी बच्चों को सर्दी से बचने के लिए टोपे भी प्रदान किए और कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं इसलिए इनकी सेहत से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

कंबल वितरण में उपाध्यक्ष दीपक नायडू, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य आर.के. शुक्ला व दारा सिंह भारती शामिल रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने जरूरतमंदों को बांटे जैकेट

नोएडा (चेतना मंच)। जन्मदिन के अवसर पर ज़रूरतमंदों को नोएडा कांग्रेस के अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने सेक्टर-58 बिशनपुरा गांव में जैकेट व गर्म कपड़े बांटे। इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने जन्मदिन पर 1500 जैकेट व गर्म कपड़े बाट कर अपना जन्मदिन सादगी से मनाया।

इस अवसर पर रामकुमार तंवर,बिजेंद्र मुंशी,अत्तर सिंह नागर, प्रकाश तंवर, धर्मवीर बंसल,राजू तंवर, पीसीसी सदस्य बबली नागर,पीसीसी सदस्य फिरे सिंह नागर,पीसीसी सदस्य देवेंद्र भाटी,प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम नागर, उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा,पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी,पीसीसी सदस्य सोनू प्रधान, महासचिव जितेंद्र चौधरी, सेक्टर 48 RWA अध्यक्ष दिनेश भाटी, एडवोकेट सरदार सिंह भाटी, एडवोकेट विशाल नागर, रामभरोसे शर्मा, हेमचंद नागर, डॉ सीमा, श्रेया राठौर, योगेश भाड़ना डब्बू भाड़ना,सचिन तंवर, ऊधम नागर, यशराम तंवर, परमवीर लोहिया, अवनिष तंवर, शाहिद सिद्दीक़ी, नीतेश तंवर,आदि काफ़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सेक्टर-142- 37 मेट्रो लिंक की डीपीआर को मंजूरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की बोर्ड बैठक में बॉटनिकल गार्डन तक मेट्रो लिंक विस्तार की परियोजना

को हरी झंडी एनएमआरसी ने दे दी गई है। एजेंसी की ओर से एनएमआरसी बोर्ड के सामने बॉटनिकल गार्डन मेट्रो लिंक की डीपीआर पेश की गई जिसे बोर्ड ने मंजूरी दे दी। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डा. लोकेश एम ने यह जानकारी दी है।

लोकेश एम ने बताया कि को नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की 38वीं बोर्ड बैठक हुई। बोर्ड बैठक की अध्यक्षता पदेन संयुक्त सचिव जयदीप की अध्यक्षता में हुई। बोर्ड ने सेक्टर 142 से बोटेनिकल गार्डन तक एक्वा लाइन मेट्रो के लिंक को विस्तार देने का प्रस्ताव पहले ही पास कर दिया था। इस परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनवाई गई थी। प्रोजेक्ट रिपोर्ट बुधवार की बोर्ड बैठक में पेश की गई जिसे मंजूरी दे दी गई है।

सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन तक मेट्रो लिंक बनाने पर 2254.35 करोड़ रुपया का खर्च किए जाएंगे। इस दूरी के बीच आठ नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे इस मेट्रो लिंक की अनुमानित लंबाई 11.56 किलोमीटर है। इस रूट के जरिए रोजाना करीब 80 हजार मुसाफिर को फायदा होगा। इस पूरे कॉरिडोर में 8 स्टेशन होंगे। लोकेश एम ने कहा कि इस परियोजना का नोएडा-ग्रेटर नोएडा समेत पूरे दिल्ली ह्रष्टक के लोगों को बड़ा फ़ायदा मिलेगा। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली जाने वालों को अभी मौजूदा मेट्रो रूट पूरी तरह लाभान्वित नहीं कर पा रहा है। सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन तक नया मेट्रो लिंक शुरू होने से ग्रेटर नोएडा के निवासी सीधे दिल्ली जा सकेंगे।

ख़ास बात यह है कि यह लिंक दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के दो रूटों को टच करेगा इनमें ब्लू लाइन मेट्रो और मैजेंटा लाइन मेट्रो शामिल हैं। आपको बता दें कि दिल्ली में राजीव चौक की तरफ़ जाने के लिए बॉटनिकल गार्डन से ब्लू लाइन मेट्रो और फ़रीदाबाद कालिंदी कुंज की तरफ़ जाने के लिए मैजेंटा लाइन मेट्रो उपलब्ध होती है। इस तरह अब भी बॉटनिकल गार्डन एनएमआरसी और डीएमआरसी के तीन मेट्रो लाइन का जंक्शन बन जाएगा।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

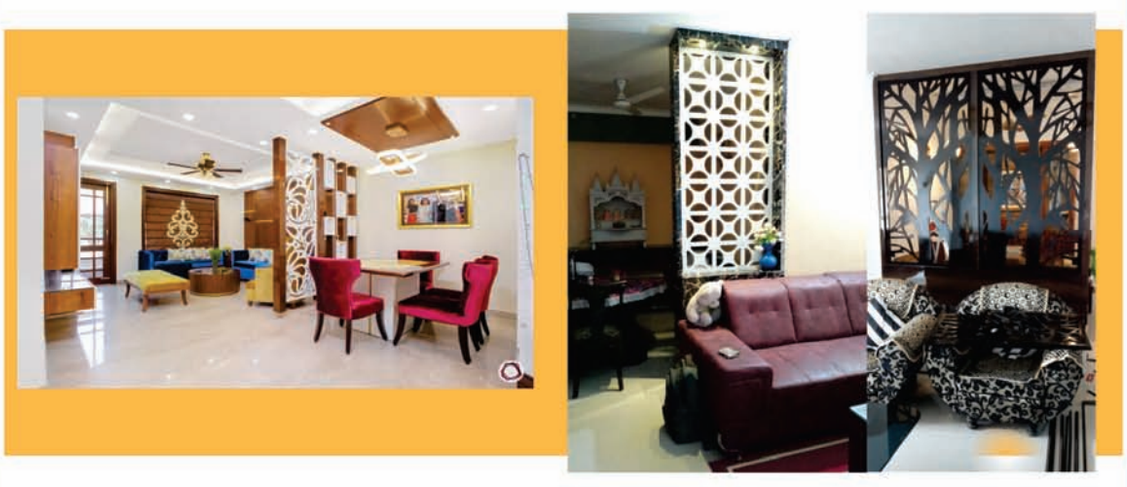

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com